ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 341 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 जून 2025 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

37 अधिकतम

27 न्यूनतम

Page-7

चुनाव कार्यक्रम को लेकर सस्पेंस, अब पचमढ़ी के बाद होगा चिंतन

16 जून के बाद तय होगा भाजपा चीफ के चुनाव का समय, कांग्रेस का फार्मूला तय

भोपाल दोपहर मेट्रो।

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए नाम की बातें तो पुरानी हो गई है फिलहाल तो इसके चुनाव कार्यक्रम को लेकर ही सस्पेंस बढ़ता जा रहा है। करीब पांच महीने से भाजपा कार्यकर्ता व नेता इस मामले में असमंजस में हैं। इस दौर में भी भाजपा संगठन को सक्रिय रखने के हरसंभव जतन किये जा रहे हैं ताकि खालीपन न आए। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अक्सर संगठन की बैठकों आदि में बार बार भाजपा कार्यालय इसीलिए पहुंच रहे हैं। यदि सूत्रों की मानें तो अब 16 जून के बाद ही मप्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया जा सकता है। इसकी वजह यह है कि अभी आगामी 14 से 16 जून तक मप्र भाजपा के विधायकों, सांसदों का प्रशिक्षण वर्ग पचमढ़ी में आयोजित होना है। इस वर्ग के उद्घाटन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। समापन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मौजूद रहेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार प्रशिक्षण वर्ग के बाद प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने की कवायद होगी। हालांकि बीते चार पांच महीने में कई बार चुनाव कार्यक्रम के ऐलान की बात उठी लेकिन हर बार कोई नया कारण बनता रहा। पहले दिल्ली विधानसभा के चुनाव को वजह माना गया फिर भाजपा ने दिल्ली में सरकार बना ली और कुछ अन्य राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद पहलगाम में हुए आतंकी हमले व आपरेशन सिंदूर के कारण यह मामला और टलता गया। इसीलिये एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि अब जब तक कार्यक्रम का ऐलान नहीं हो जाता, तब तक इस बारे में सोचना भी छोड दिया है। उल्लेखनीय है कि जनवरी में भाजपा को अपने सभी संगठनात्मक 60 जिलों के अध्यक्षों के नाम घोषित करने में पसीना आ गया था। इसके लिये कई 'वजहों' को जिम्मेदार माना गया था। यह जिलाध्यक्ष नौ बार में घोषित किये जा सके थे। भाजपा के नियमों के मुताबिक बूथ समिति, मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होता है। फरवरी में इसके पूरे आसार बने थे लेकिन अब सिर्फ सस्पेंस बना हुआ है।

दरअसल गत दिवस भाजपा के राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के लक्ष्मण और प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षक धर्मेंद्र प्रधान मप्र के दौरे पर रहे तो यह सुगबुगाहट फिर बढी। लक्ष्मण ने भोपाल में भाजपा प्रदेश मुख्यालय में जातीय जनगणना को लेकर कार्यशाला को संबोधित किया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री और प्रमुख पदाधिकारियों से उन्होंने काफी देर चर्चा भी की। वहीं प्रदेश संगठन चुनाव के पर्यवेक्षक धर्मेंद्र प्रधान ने आलोट में नवोदय स्कूल और संदीपनी स्कूल के कार्यक्रम में भाग लिया। प्रधान उज्जैन में रात रुके और महाकाल की भस्मारती में शामिल होने के बाद शनिवार को इंदौर होते हुए दिल्ली चले गए। माना जाता है कि इन सभी भेंट मुलाकातों में प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा हुई है लेकिन अंतिम निर्णय हाइकमान के रुख पर निर्भर करेगा। गौरतरब है कि मप्र में जिला अध्यक्षों के चुनाव के बाद छत्तीसगढ़, राजस्थान सहित आधा दर्जन से ज्यादा राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। लेकिन मप्र का मामला उलझा हुआ है। इसकी वजह राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी बना हुआ सस्पेंस ही माना जा रहा है। मप्र के बारे में जानकारों का कहना है नए अध्यक्ष के लिये तीन नाम काफी मजबूत माने जा रहे हैं लेकिन मप्र की राजनीतिक परिस्थितियों और भाजपा के आगामी कार्यक्रमों के हिसाब से ही इनमें से एक नाम को हरी झंडी मिलेगी।

45 से ऊपर का नहीं होगा जिलाध्यक्ष

कांग्रेस के मप्र में संगठन सृजन अभियान के तहत दिल्ली और भोपाल से नियुक्त ऑब्जर्वर्स की तीन सदस्यीय टीम अब हर जिले में जाकर जिला और ब्लॉक अध्यक्षों के नाम तलाश रही है। जिले में कांग्रेस की मजबूती और कमजोरी के कारणों की वजह तलाशना भी इसके एजेंडे में है। वहीं मप्र कांग्रेस द्वारा इनके संग नियुक्त 165 ऑब्जर्वर्स की आज जूम मीटिंग हुई। इसमें प्रदेश

प्रभारी हरीश चौधरी, अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित प्रदेश भर के ऑब्जर्वर जुड़े। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने साफ संकेत दिया कि एआईसीसी और पीसीसी के ऑब्जर्वर अपने जिले में दौरे का कार्यक्रम बनाकर नियत समय पर पहुंचें तथा प्रयास ये होना चाहिए कि जिला अध्यक्ष के लिए 35 साल से 45 साल के बीच की उम्र के नेता ही पैनल में शामिल हों। जिला में बैठकों के बाद अध्यक्ष के लिए 6 नामों का पैनल तैयार करें।

दिल्ली का मामला

सूटकेस में मिली बच्ची, रेप के बाद हत्या की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी।

राजधानी के नेहरू विहार इलाके में देर रात सूटकेस में गंभीर रूप से घायल बच्ची मिलने से सनसनी है। यह बच्ची अर्धनग्न हालत में थी। बच्ची के परिवार का आरोप है कि रेप के बाद उसकी हत्या का प्रयास किया गया। बच्ची की उम्र नौ साल बताई जा रही है। पुलिस के बताया कि बच्ची के पिता उसे अस्पताल ले जा रहे थे तब बच्ची बेहोश थी, अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पीड़ित परिवार ने कॉलोनी में ही रहने वाले नौशाद पर रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बच्ची बीती शाम दादी के घर बर्फ देने गई थी। जब वह वापस नहीं आई, तो उसकी तलाश शुरू की। गली में खेल रहे बच्चों ने बताया कि उन्होंने बच्ची को पास के एक फ्लैट में जाते देखा था। जब परिजन उस फ्लैट पर पहुंचे, तो वहां ताला लगा हुआ था। ताला तोड़कर अंदर जाने पर एक सूटकेस मिला, जिसमें से खून रिस रहा था। सूटकेस खोलने पर बच्ची बेहोशी की हालत में मिली।

मानसून में अभी देर

आज दक्षिणी मप्र में आंधी-पानी, कल ग्वालियर में लू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री अगले सप्ताह होने वाली है। इससे पहले प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक के साथ लू भी चलेगी। आज मप्र के दक्षिणी हिस्से के 8 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है, जबकि 9 और 10 जून को ग्वालियर-चंबल में हीट वेव यानी, लू भी चल सकती है। इससे पहले शनिवार को इंदौर, नर्मदापुरम-बड़वानी में बारिश हुई। वहीं, 13 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार रहा। भोपाल में उमस व धूप है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 10 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री लेट हो रही है। अगले 3 से 4 दिन तक मानसून के आगे बढ़ने की संभावना कम ही है। आज बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और सिवनी में आंधी, गरज-चमक और बारिश का अलर्ट है। वहीं, सोमवार को ग्वालियर, भिंड, मुरैना, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना में लू का अलर्ट है।

चुनाव प्रचार के दौरान घटना

कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार को तीन गोलियां मारी, गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी।

साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हालत नाजुक बनी हुई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उरीबे को तीन गोलियां लगी है, इनमें से एक गोली के उनके सिर में लगने की खबर है। उरीबे राजधानी बोगोटा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। कोलंबिया में 2026 में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। मिगुएल उरीबे राष्ट्रपति पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। 39 वर्षीय उरीबे विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। पार्टी ने बयान जारी कर बताया कि उरीबे को संबोधन के दौरान हमलावर ने पीठ में गोली मारी। बोगोटा के मेयर कार्लोस गलान ने बताया कि यह हमला शहर के फोंतिबोन इलाके में हुआ। उरीबे की हालत को देखते हुए पूरे शहर के अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है।

रिंकू की सपा सांसद प्रिया के साथ रिंग सेरेमनी हुई

लखनऊ, एजेंसी। क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की आज लखनऊ में रिंग सेरेमनी हो रही है। इंगेजमेंट से पहले रिंकू और प्रिया की 'द सेंट्रम' होटल से तस्वीरें भर आईं हैं। जब सुबह रिंकू होटल में परिवार के साथ ब्रेकफास्ट कर रहे थे, तभी प्रिया सरोज पहुंचीं। रिंकू ने उन्हें हैलो कहा और वेटर से अपने रूम का एक्सेस कार्ड दिलवाया। इससे पहले, शनिवार शाम को ही पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार, पीयूष चावला और यूपी रणजी टीम के कप्तान आर्यन जुयाल होटल पहुंचे।

बेंगलुरु हादसा : बेटे के लिए खरीदी जमीन पर उसे दफनाया

बेंगलुरु, एजेंसी। बीती 4 जून को आरसीबी जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत के बाद कार्रवाईयों का दौर चल रहा है। इस कांड में 21 साल के जिस भूमिक लक्ष्मण की भी जान गई थी उसके पिता बीटी लक्ष्मण का बेटे की कब्र से लिपटकर रोने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में लक्ष्मण अपने बेटे के शव के पास रोते हुए कह रहे हैं, मैंने उसके लिए जो जमीन खरीदी, वहीं पर उसे दफना दिया।

तीन रिपब्लिकन सांसद साथ आए

मस्क ने ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल को 'फंसाने' का इंतजाम किया

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इलॉन मस्क के बीच अदावत के चलते अब 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर सस्पेंस बढ रहा है। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। यह बिल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 22 मई को सिर्फ 1 वोट के अंतर से पास हुआ था। इसके समर्थन में 215 और विरोध में 214 वोट मिले थे। अब यह सीनेट में विचाराधीन है, जहां इसे 4 जुलाई तक पास किया जाना है। मस्क अब ट्रम्प के इस विधेयक के रास्ते में बड़ी रुकावट बनते दिख रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस

बिल को पास होने से रोकने के लिए मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के 3 सांसदों को अपनी तरफ कर लिया है। मस्क का कहना है कि यह सरकारी सब्सिडी बांटने वाला 'लूट का दस्तावेज' है। यह राष्ट्रीय घाटे को 2.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा। उन्होंने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी कि जो इस बिल का समर्थन करेंगे, 2026 के मध्यावधि चुनावों में उनके खिलाफ वोटिंग की जाएगी। उधर ट्रम्प का दावा है कि यह 'देशभक्ति से भरा हुआ' कानून है। इसके पारित होने से अमेरिका में निवेश बढ़ेगा और चीन पर निर्भरता घटेगी। जबकि मस्क इसे पोर्क फिल्ड यानी कि बेकार खर्चों से भरा बिल मानते हैं।

अथः अश्वकथा अथः अश्वव्यथा और सियासी महाकथा

घोड़ों का अमृतकाल और राजनीति का भक्तिकाल..!

प्रवाह

आशीष दुबे

देश में पिछले 42 साल से 'घोड़े की दुम पे हथोड़ा' पड़ रहा है, मगर किसी को भी रफ्तार और ताकत के प्रतीक इस जानवर की 'निरीहता' पर तरस नहीं आया। लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वह कर दिया, जो अब तक कोई अश्व-प्रेमी शायद नहीं कर पाया। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को तीन श्रेणी के घोड़े की संज्ञा क्या दी, भाजपा का अश्व-प्रेम जाग उठा, कई दल और समाज-सुधारक लोग भी दौड़े पड़ रहे हैं। यह घोड़े के लिए 'ब्लेसिंग डिसगाइज' जैसा है, कि उसका नाम लेकर राहुल ने अपने नेताओं को फटकारा मगर दूसरों को चिंता घोड़े की भी होने लगी। घोड़े ने तो उम्मीद नहीं की होगी कि कोई ऐसा 'उद्धारक' इस 'शक्तिकाल' में सामने आएगा। यानी, देश जब अपने शौर्य और शक्ति का मुजाहिरा कर रहा है, पाकिस्तान पर 'जीत' व पहलगाम के बदले की बात कर रहा है, तब घोड़ों का अमृतकाल अचानक शुरू हो गया है। देखना दिलचस्प है कि घोड़ों की भी अस्मिता बचाने के अलावा नया चिंतकवर्ग इस जानवर के गरिमापूर्ण जीवन व अन्य बेहतरी के लिए क्या वाकई बदलाव लाएगा ?

हालांकि प्रकारांतर से यह राजनीति में भरपूर भक्तिकाल का दौर है। इस दौर में सबके अपने 'भगवान' और 'मंदिर' हैं। किसी नेता के भक्ति कलश में भक्तिरस जब ज्यादा भर जाता है तो यहां-वहां छलकता है, यह रस कहीं तनाव पैदा करता है, कहीं समाज में भेद करने को तो कभी बलों को निराश करने को आतुर लगता है। शुक्र है, इस बार ऐसा कुछ हो नहीं रहा। अब राहुल गांधी पर लौटें, तो इस भक्तिकाल के 'किरदार' शायद भोपाल में कहे उनके 'दूसरे जुमले' का देशव्यापी असर कम करने के लिए घोड़े की प्रजाति वाले पहले जुमले पर जोर दे रहे हैं? यानी 'डिफेंडर' हो रहे हैं। वैसे, राहुल ने करीब सवा साल पहले अपने दल के भीतर बारात, रेस के घोड़ों की मौजूदगी की बात कही थी, फिर अहमदाबाद से हाल में भोपाल आते-आते यह यात्रा 'लंगड़े घोड़े' की मौजूदगी तक भी पहुंच गई। अब भाजपा नेताओं की ऐसे कांग्रेसियों के प्रति 'सिम्पैथी' से सबक लेकर शायद अगली बार राहुल दिव्यांग घोड़ा कहें ? लेकिन लोग तो उस पुराने शब्द को ध्वनि ही सुनेंगे।

राजनीति किसी रेसकोर्स की तरह है, एक रिंगनुमा निश्चित दूरी तक इसमें घोड़े दौड़ पाते हैं, उसके बाद मैदान खत्म हो जाता है, जो घोड़ा मैदानी घेरा तोड़कर उन्मुक्त दौड़ने व दूसरों के आंगन में कुलांचे भरने की कोशिश करता है, वह राजनीति के राहुलों-शाहों की नजर में आ जाता है। यह और बात है कि उस पर काबू कितना हो पाता है और कितना अनुशासित बन पाता है। अक्सर चुनाव के समय राजनीति के घोड़ों के रेसकोर्स बदल जाते हैं तथा सबसे पीछे नजर आने वाले घोड़े 'डार्क हॉर्स' साबित हो जाते हैं।

बहरहाल, 42 साल पहले लिखकर गुलजार तो बच निकले, उनका घोड़ा आज भी 'दुम उठाकर दौड़ता', सुना जाता है। अब निगाहें कांग्रेस के 'तीन वर्ग के घोड़ों' की आगामी प्रतिक्रियाओं व राहुल की कोशिशों पर हैं। ताजा संदर्भ हटा भी दें तो आम की एक मशहूर किस्म भी 'लंगड़ा' कहलाती है! यद्यपि मानवीय गरिमा सबसे ऊपर है व रहेगी लेकिन सदियों से समाज में विभिन्न प्रतीकों-जानवर-स्थानों के जरिए कही जा रहीं मान्य लोकोक्तियों, कहावतों के उल्लेख को राजनीति के लिए यहां-वहां जोड़ने के चलते क्या इनका चलन बंद होने का वक्त भी आ रहा है..?

घोड़े व घुड़खर

■ घोड़ों की फिक्र के नए दौर में बरबस गुजरात का 'वाइल्ड एस' यानी घुड़खर याद आ सकता है, सात-आठ साल पहले अमिताभ बच्चन के एक प्रमोशनल एड कैंपेन से इसके दिन बदल चुके हैं। यह एक किस्म का जंगली गधा है, मगर टूरिज्म का बड़ा आकर्षण है। वैसे, मप्र में पिछली गणना के अनुसार 13,260 घोड़े थे और कुल छह करोड़ जानवर। हालांकि सबसे ज्यादा घोडे व टट्टू उप्र में (76000) हैं। इसके बाद कश्मीर(63000) का नंबर है।

जिम्मेदारों की लापरवाही बन सकती है बड़े हादसे की वजह

भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र के बेरसिया रोड पर बने ओवर ब्रिज की जर्जर हालत में है। जगह-जगह दरारे नजर आ रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह दरारे आम जनता को तो नजर आ रही है, लेकिन जिम्मेदारों को यह दिखाई नहीं दे रहा है। प्रशासन की लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

छोटे सोलर प्लांट, बड़ी बचत

निगम को 25 साल तक 4.20 रु. प्रति यूनिट मिलेगी बिजली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल नगर निगम की सौर ऊर्जा योजना काफी किफायती साबित हुई है। निगम को अगले 25 सालों तक सिर्फ 4.20 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलेगी। यह उपलब्धि नीमच में स्थापित किए जा रहे चार सौर ऊर्जा संयंत्रों के जरिए संभव हुई है। इनमें से एक संयंत्र शुरू भी हो चुका है। योजना यदि पूरी तरह सफल रही तो इसे प्रदेश के सभी प्रमुख नगर निगमों में लागू करने का विचार है।

गौरतलब है कि भोपाल नगर निगम को प्रति यूनिट बिजली इंदौर से 2 रुपए सस्ती मिल रही है। इंदौर नगर निगम को 6 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिल रही है। इसकी वजह यह है कि भोपाल नगर निगम ने संयंत्र निर्माण की लागत को कम करने के लिए शुरू से ही रणनीतिक उपाय अपनाए। छोटे-छोटे तरीकों से खर्च को कम रखा गया।

41 मेगावाट के 4 प्लांट

भोपाल नगर निगम का पहला 10 मेगावाट का संयंत्र 18 मई को चालू हो चुका है। इससे नगर निगम को 3.20 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलने लगी है। अन्य खर्च जोड़ने के बाद यह दर 4.20 रुपए प्रति यूनिट हो जाती है। योजना के तहत कुल चार संयंत्र दो 10-10 मेगावाट और दो 10.5-10.5 मेगावाट क्षमता के लगाए जाएंगे।

राजधानी में फिर नाबार्ड की आम प्रदर्शनी 10 से

नूरजहां और मल्लिका से लेकर सिंदूरी तक.. इस बार भी बहुत खास होंगे आम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस बार फिर आम का बाजार सजने वाला है। राजधानी के बिट्टन मार्केट स्थित नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में 'राज्य स्तरीय आम महोत्सव 8.0' की शुरुआत 10 जून से हो रही है और 14 जून तक चलने वाले इस आयोजन में मध्यप्रदेश के आदिवासी जिलों से लाए गए प्राकृतिक रूप से पके रसायनमुक्त आमों की 15 से अधिक किस्में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। इस वर्ष महोत्सव की खास बात यह है कि पहली बार दुर्लभ नूरजहां आम बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे पहले यह आम केवल प्रदर्शनी के लिए रखा जाता था। इस आम की कीमत 2,000 प्रति किलो तक है। इसका वजन 1.1 किलो से अधिक का होता है।

उल्लेखनीय है कि नूरजहां आम का उत्पादन केवल मप्र के आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र में होता है, जहां इसकी खेती केवल 10 पेड़ों पर होती है। यह आम इतना भारी होता है कि हल्की हवा से भी गिर सकता है, इसलिए इसकी खेती एक चुनौती है।

शुगर मरीजों के लिए 'सुंदरजा'

इसी तरह मप्र के रीवा जिले के गोविंदगढ़ क्षेत्र से लाया गया जीआई टैग प्राप्त सुंदरजा आम भी खास आकर्षण रहेगा। यह आम फाइबर-फ्री होता है और शुगर मरीजों के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसकी मिठास और गुणवत्ता इसे विशेष बनाती है। नाबार्ड की चीफ जनरल मैनेजर सी. सरस्वी का कहना है कि वाड़ी परियोजनाओं से जुड़े आदिवासी परिवारों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना, उनकी आजीविका को सशक्त करना और विपणन कौशल विकसित करना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। आम महोत्सव वाड़ी से थाली तक की अवधारणा को साकार करता है।

इस बार यह किस्में भी

- » **आम्रपाली :** इसकी ग्राफ्टिंग नीलम और मल्लिका को मिलाकर की गई है। आम तौर पर यह आम उत्तरप्रदेश में फेमस है। क्योंकि शहडोल में यूपी से सटे इलाके में इसे लगाया जाता है। इसको खाने में आपको नीलम और मल्लिका का स्वाद एक साथ मिलेगा।
- » **मल्लिका :** यह भोपाल में कम ही मिलता है। इसकी ग्राफ्टिंग नीलम और दशहरी आम को मिलाकर की जाती है। इसमें दोनों का स्वाद होता है। यह एक तरह का खट्?टा-मीठा आम है। आमतौर पर यह शहडोल क्षेत्र में ही मिलता है। क्योंकि वहां का वातावरण इस आम के लिए अच्छा है।
- » **मालदा :** इसकी गुठली छोटी होती है। पल्प अन्य वैराइटी की तुलना में 20 त्न तक अधिक होता है। यह बहुत मीठा होता है। वहीं, दशहरी और केसर में भी टेस्ट थोड़ा अलग होता है। हालांकि इलाकों के अनुसार इनके टेस्ट में भी थोड़ा अंतर होता है।
- » **अन्य किस्में :** केसर, दशहरी, लंगड़ा, चौसा, तोतापरी, नारंगी, सिंदूरी, राजापुरी।

आधुनिक चल-प्रयोगशाला पहुंची कालोनियों में

दूध और पानी का अंतर परखने सांची रथ रवाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड से संबद्ध भोपाल सहकारी दुग्ध संघ द्वारा तैयार की गई आधुनिक उपकरणों से युक्त चल-प्रयोगशाला ''सांची रथ'' को प्रबंध संचालक, एमपीसीडीएफ, डॉ. संजय गोवाणी एवं भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रीतेश जोशी के द्वारा एमपीसीडीएफ कार्यालय से झण्डी दिखाकर भोपाल शहर में शुद्धता परीक्षण शिविर के लिए रवाना किया । अफसरों ने कहा कि 'सांची ब्रांड की शान को बरकरार रखा जाएगा तथा इसकी ब्रांड वैल्यू में वृद्धि की जाएगी।

उल्लेडखनीय है कि भोपाल शहर की कॉलोनियों में सांची रथ घर-घर तक जाएगा तथा उपभोक्ताओं द्वारा नियमित रूप से उपयोग किए जाने वाले दूध और दुग्ध उत्पादों का परीक्षण उपभोक्ताओं के समक्ष किया जाएगा तथा व्हाट्सअप के माध्यम से संबंधित उपभोक्ता को जांच रिपोर्ट दी जाएगी। यह एक अभिनव पहल है। अभियान की शुरूआत आज से हुई है। इसे 'दूध का दूध-पानी का पानी'' नाम दिया गया है। अभियान में उपभोक्ताओं के द्वारा उपयोग किए जाने वाले दूध, दही, पनीर घी इत्यादि की जांच आधुनिक उपकरणों से युक्त चल-प्रयोगशाला ''सांची रथ'' में की जाएगी। यह सांची रथ भोपाल शहर की सभी कालोनियों में चरणबद्ध दिवसों में पहुंचेगा। आज अभियान के प्रथम चरण में ''सांची रथ फार्चून सिग्नेचर सोसाइटी, बावडियाकला भोपाल और इंडस गार्डन, रोहित नगर फेज वन भोपाल में पहुंचा है तथा कल 8 जून को आकृति इकोसिटी सलैया भोपाल तथा डीके कैरट गुजराती कॉलोनी भोपाल में सुबह 07 बजे शुद्धता परीक्षण शिविर में सांची रथ पहुंचेगा।

बैरागढ़ के मुख्य मार्ग पर धंसी सड़क

कृष्णा प्लाजा के सामने बड़ा गड्ढा, वाहन चालक परेशान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

बैरागढ़ के मुख्य मार्ग पर स्थित कृष्णा प्लाजा कॉम्प्लेक्स के ठीक सामने सड़क धंस गई है, जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया है। यह गड्ढा अब वाहन चालकों के लिए एक बड़ी मुसीबत बन गया है, और मुख्य मार्ग से वाहनों का निकलना मुश्किल हो रहा है।

बैरागढ़ मुख्य मार्ग पर डबल डेकर ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इस पुल के पिल्लर खड़े करने के लिए गहरे गड्ढे खोदे गए हैं, और माना जा रहा है कि सड़क धंसने का कारण यही हो सकता है। सड़क पर बने इस अचानक गड्ढे से किसी बड़े हादसे का डर बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने अपनी सूझबूझ दिखाते हुए गड्ढे के पास पत्थर रख दिए हैं, ताकि रात के समय या कम दृश्यता में वाहन चालक गड्ढे को देख सकें और किसी अनहोनी से बचा जा सके।

मुख्य मार्ग पर यातायात पहले से ही डबल डेकर ब्रिज के काम के कारण प्रभावित है, और अब इस गड्ढे ने समस्या को और बढ़ा दिया है। प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या पर ध्यान देने और गड्ढे को भरने की मांग की जा रही है ताकि वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को किसी प्रकार की परेशानी या खतरे का सामना न करना पड़े।

एमडी संकेत भोंडवे ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

एमपीयूडीसी की योजनाएं समय पर पूर्ण हों, प्लॉन बने

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की भोपाल में शनिवार को हुई बैठक में एमडी श्री संकेत भोंडवे ने निर्देश दिये हैं कि कम्पनी के योजना कार्य तय समय-सीमा में पूरे किये जायें। उन्होंने अधिकारियों से मासिक आधार पर माइक्रो प्लॉन तैयार किये जाने के लिये भी कहा। एमडी श्री भोंडवे ने भुगतान प्रक्रिया को समय पर सुनिश्चित करने और वित्तीय सुरक्षा के लिये डिजिटल प्लेटफार्म के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। एमडी ने कहा कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत सभी अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाया जाये।

कांट्रेक्टर के साथ नियमित बैठक करें

एमडी भोंडवे ने योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाने के लिये कांट्रेक्टर के साथ नियमित बैठक किये जाने के लिये भी कहा। उन्होंने कहा कि एमपीयूडीसी का कार्य नगरीय क्षेत्र में अधोसंरचना कार्य से जुड़ा है। इसलिए जरूरी है कि सभी योजनाएँ तय समय पर पूरी हों। उन्होंने सतना के चित्रकूट में अधोसंरचना विकास के लिये तैयार किये जा रही इंटीग्रेटेड अर्बन डेवलपमेंट प्लॉन की प्रस्तुति को देखा। एमडी ने बॉयो गैस प्लांट की स्थापना और हरित क्षेत्र (ग्रीनरी) के लिये उपयुक्त स्थान चिन्हित करने पर जोर दिया।

मार्केट में चिल्लर का संकट बना सिरदर्द,

फुटकर व्यापारियों और ग्राहकों की बढ़ी परेशानी, सिक्के हो चुके हैं गायब

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मार्केट में इन दिनों चिल्लर की किल्लत एक बड़ी समस्या बन गई है, जिससे फुटकर दुकानदार और ग्राहक दोनों ही परेशान हैं। खासकर 5 रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये के नोटों की भारी कमी महसूस की जा रही है, जबकि बड़ी संख्या में बाजार में आए सिक्के भी अब गायब हो चुके हैं। इस स्थिति के कारण खरीदारी करने वाले लोगों के साथ-साथ दुकानदारों को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

बीते कई दिनों से 10 रुपये के नोट तो जैसे बाजार से पूरी तरह गायब ही हो गए हैं। हालांकि, एक समय था जब 5, 10 और 20 रुपये के सिक्कों का चलन बढ़ा था, लेकिन अब वे भी कम हो गए हैं। छोटी करेंसी की इस शॉर्टेज ने छोटे फुटकर दुकानदारों को बेहद मुश्किल में डाल दिया है, क्योंकि वे ग्राहकों को खुले पैसे वापस नहीं लौटा पा रहे हैं।

कपड़ा संघ के पूर्व अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी का कहना है कि बाजार से छोटे नोट एकदम से गायब हो गए हैं, जिससे बहुत परेशानी होती है। सब्जी विक्रेता, दूध विक्रेता, किराना दुकानदार और चाय वाले भी खुले पैसों की कमी के कारण परेशान हैं। कुछ दुकानदार तो चिल्लर की किल्लत के चलते चीजों के दाम तक बढ़ा रहे हैं।दुकानदारों और ग्राहकों का कहना है कि यह समस्या कई दिनों से बनी हुई है और बैंकों को इस ओर ध्यान देना चाहिए ताकि छोटे नोटों और सिक्कों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

मेट्रो एंकर

समाजसेवी चेतनदास की 23वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि सभा

समाजसेवियों ने पारदासानी के व्यक्तित्व पर डाला प्रकाश

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत ने समाजसेवी, हरि चेतन आश्रम के संस्थापक श्री सेठ चेतनदास पारदासानी की 23वीं पुण्यतिथि मनाई गई। समाजसेवियों ने वेतनदासजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उनकी समाजसेवा की राह पर चलने का संकल्प लिया। पंचायत सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी ने चेतनदास जी की सेवाओं को अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने बताया कि पारदासानीजी ने हरिचेतन आश्रम के निर्माण, पंचायत के फैसला बोर्ड और विकास में उनके भरपूर सहयोग का जिक्र किया। पार्षद अशोक मारण ने कहा कि चेतनदास पारदासानी की निःस्वार्थ समाज सेवा हर समाजसेवी को प्रेरणा देती रहेगी। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी ने बताया कि चेतनदासजी में सेवा कार्य का अद्भुत जुनून था इस अवसर पर संत नरेश पारदासानी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गरुण पुराण और विष्णु पुराण पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में, उपस्थित सभी लोगों ने 2 मिनट का मौन धारण कर स्व. सेठ चेतनदास पारदासानी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उपस्थित गणमान्य नागरिक

इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी, पार्षद अशोक मारण, वासदेव वाधवानी, महासचिव नंद कुमार दादलानी, उपाध्यक्ष भरत आसवानी, जेठानंद मंगतानी, गुलाब जेठानी, माधव पारदासानी, राम कुमार पारदासानी, घनश्याम लालवानी, हीरो हिन्दू, राज मनवानी, पुरुषोत्तम, नरेश पेसवानी, अजीत पारदासानी, राजू थावानी, रमेश रामचंदानी, प्रेम पठानी, बूलचंद वासवानी, लीलाराम मेघानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विभाग ने दो जिलों में पायलेट प्रोजेक्ट के बाद अब प्रदेश में लागू करने का लिया निर्णय

सरकारी स्कूलों में लगाई जाएगी ऑनलाइन हाजिरी, 10 जून से लागू होगी व्यवस्था

- इस बार ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं लगाने पर शिक्षकों का वेतन काटने की भी तैयारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगातार व्यवस्थाओं में बदलाव किए जा रहे हैं। मान्यता नियमों में संशोधन के बाद अब विभाग ने सरकारी स्कूलों में ऑनलाइन हाजिरी अनिवार्य करने का निर्णय लिया है।

यह हाजिरी शिक्षक एम शिक्षा मित्र एप पर लगाई जाएगी। इसे 10 जून से लागू करने की तैयारी की गई है। विभाग अब एम शिक्षा मित्र व सार्थक ऐप की कनेक्टिविटी कर शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस लगाएगा। इससे शिक्षकों की बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगेगी, यानी शिक्षकों की उपस्थिति चेहरा दिखाकर लगाई जाएगी। इस बार ऑनलाइन अटेंडेस नहीं लगाने पर शिक्षकों का वेतन काटने की भी तैयारी की गई है। हालांकि अटेंडेंस लगाने की शुरुआत में इससे शिक्षकों को छूट रहेगी। बता दें कि ऑनलाइन अटेंडेंस की व्यवस्था को पायलेट प्रोजेक्ट के तहत उज्जैन व नरसिंहपुर में शुरू किया गया है। फिलहाल यह व्यवस्था दो जून को स्कूल खुलने के साथ शुरू की गई है। पहले दिन उज्जैन जिले में सॉफ्टवेयर की परेशानियों के चलते कई शिक्षकों की अटेंडेंस नहीं लग पाई। विभाग के अफसरों ने इसे दूर करने के निर्देश दिए है। उज्जैन व नरसिंहपुर में ट्रायल के बाद पूरे प्रदेश में इसे लागू किया जाएगा।

शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े होते रहते हैं-

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जब शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। मंत्री स्कूल शिक्षा राव उदय प्रताप सिंह भी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि प्रदेश में कुछ शिक्षक पढ़ाने के लिए स्कूल नहीं जाते हैं। उनके स्थान पर दूसरे लोग पढ़ाने जाते हैं। कुछ शिक्षक स्कूलों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते हैं।

चार साल पहले एम शिक्षा मित्र ऐप तैयार किया था

स्कूल शिक्षा विभाग ने चार साल पहले एम शिक्षा मित्र ऐप तैयार किया था। इस ऐप के माध्यम से ऑनलाइन अटेंडेंस लगाने की व्यवस्था शुरू की गई, लेकिन ऐप की कुछ खामियों के चलते इसे पूर्ण रूप से सफलता नहीं मिल पाई। एक अप्रैल को स्कूल शिक्षा मंत्री ने ऑनलाइन अटेंडेंस को पुख्ता तरीके लागू करने के लिए कहा था। लेकिन तकनीकी खामियों अटेंडेंस की व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी। अब विभाग ने लगभग इसकी पूरी तैयारियां कर ली है। इसे 9 या 10 जून से लागू किया जाएगा।

बिना नेटवर्क के भी काम करने में सक्षम

ग्रामीण क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या को देखते हुए एम शिक्षा मित्र ऐप से अटेंडेंस लगाना शुरू किया था। इस ऐप के माध्यम से अगर हाजिरी लगाते समय नेटवर्क न मिले तो भी हाजिरी भरी जाएगी। जैसे ही मोबाइल में नेटवर्क मिलेंगे हाजिरी अपडेट हो जाएगी। साथ ही सार्थक ऐप की कनेक्टिविटी से चेहरा दिखाकर अटेंडेंस लग सकेगी।

लोकेशन के साथ अन्य काम भी करेगा एप

सार्थक ऐप केवल कर्मचारी की लोकेशन के साथ-साथ और कई महत्वपूर्ण कार्य भी करेगा। विभाग की नई व्यवस्था में कर्मचारी व शिक्षक छुट्टी के लिए भी आवेदन कर सकेंगे और मप्र शासन से किसी भी प्रकार का पत्राचार इस एप से हो जाएगा। सार्थक मध्य प्रदेश सरकार का पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन है, जिससे अब शिक्षकों को पत्रचार करने संबंधी परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी।

अफसर के पत्र से खुला मामला, कांग्रेस ने कहा-यह 230 करोड़ का घोटाला

50 हजार 'भूतिया कर्मचारी' काम पर, वेतन नहीं निकलने पर खुलासा !

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र के करीब पचास हजार सरकारी कर्मचारी वित्त विभाग के लिए रहस्य बन गए हैं। इन कर्मचारियों की सैलरी पिछले 6 महीने से सरकारी खजाने से नहीं निकाली गई है। सरकारी रिकॉर्ड में इनके कोड एक्टिव हैं तथा 230 करोड़ रुपए खजाने में अटके पड़े हैं। इनकी सैलरी कभी भी आहरित की जा सकती है। यह मामला सामने आने के बाद देशभर के विपक्षी दल सरकार पर हमलावर है। टीएमसी ने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए पूछा कि वेतन घोटाले पर ईडी, आयकर और सीबीआई सो रही हैं। वहीं कांग्रेस ने कहा कि ये सभी घोस्ट एम्पलाई हैं। न इनकी पहचान है, न उपस्थिति।

दरअसल, 23 मई को मप्र के ट्रेजरी और अकाउंट्स विभाग के कमिश्नर भास्कर लक्षकार ने प्रदेश के सभी जिला कोषालय अधिकारी को पत्र लिखकर सभी अफसरों से सर्टिफिकेट मांगा गया है कि उनके ऑफिस में कोई अनधिकृत कर्मचारी काम नहीं कर रहा।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने सरकार पर बोला हमला

उन्होंने पत्र में कहा है कि IFMIS सिस्टम में ऐसे रेगुलर और नॉन-रेगुलर कर्मचारियों का डेटा संलग्न है जिनकी सैलरी दिसंबर 2024 से नहीं निकली। इनके कोड सक्रिय हैं लेकिन मृत्यु या सेवानिवृत्ति तिथि की IFMIS में प्रविष्टि नहीं हुई है। पोर्टल पर एग्जिट प्रोसेस पूरा नहीं हुआ है, फिर भी वेतन नहीं निकाला जा रहा है। इस मामले में मप्र विस में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने X पर लिखा- मध्यप्रदेश में भूत भी सरकारी कर्मचारी। राज्य के लगभग 50हजार कर्मचारियों की सैलरी पिछले 5-6 महीनों से ट्रेजरी से नहीं निकाली गई। नेता प्रतिपक्ष ने आगे लिखा- अगर किसी कर्मचारी की सैलरी 6 महीने तक नहीं निकली, फिर भी उसे एग्जिट नहीं किया गया, तो ये किसी बड़े घोटाले की ओर इशारा करता है। आयुक्त का ध्यान इस गंभीर मुद्दे पर गया। दुर्भाग्यवश, बीजेपी सरकार के मंत्रियों का ध्यान न तो विभाग की महत्वपूर्ण घटनाओं पर है और न ही जनता पर। ऐसा लगता है कि अगले ढाई साल तो ये मंत्री विभाग के नियम-कायदे ही सीखने में बिता देंगे।वहीं टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा- मप्र में वेतन घोटाला व भूतिया कर्मचारी।

विभागीय अधिकारियों ने दिया चौंकाने वाला तर्क

हालांकि इस मामले को लेकर विभागीय अधिकारियों का तर्क है कि ये कर्मचारियों के डेटा एनालिसिस की नियमित प्रक्रिया है। इन कर्मचारियों के खातों में वेतन की राशि नहीं जा रही है। ये एक प्रकार से किसी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने की दिशा में विभाग का ही प्रयास है। अफसरों की मानें तो इनमें 40 हजार नियमित कर्मचारी और 10 हजार अस्थाई कर्मचारी हैं। औसतन वेतन के हिसाब से माना जाए तो 5-6 महीनों में इन कर्मचारियों के वेतन के करीब 230 करोड़ रुपए अटके हुए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि, इन कर्मचारियों के एम्पलाई कोड एक्टिव हैं-यानी तकनीकी रूप से उनकी सैलरी कभी भी निकाली जा सकती है। लेकिन न पहचान है, न उपस्थिति। इनका नाम है, काम नहीं।

दिग्गी के भाई लक्ष्मण पर निष्कासन की तलवार

कांग्रेस जल्द दिखा सकती है बाहर का रास्ता, प्रस्ताव भेजा आलाकमान के पास

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह पर निष्कासन की तलवार लटक रही है। कांग्रेस जल्द ही उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा सकती है। जानकारी के मुताबिक ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने लक्ष्मण सिंह के निष्कासन का प्रस्ताव कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है।

दरअसल सिंह ने 24 अप्रैल को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, राबर्ट वाड्रा और जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला को लेकर बयान दिया था। पांच बार के सांसद और विधायक रहे लक्ष्मण सिंह ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आतंकवादियों से मिले हुए हैं। उन्होंने राहुल गांधी को भी सोच समझकर बात करने की नसीहत देते हुए कहा था कि पार्टी को मुझे निकालना हो तो आज निकाल दे। हमारी पार्टी के नेता सोच समझकर बोले, नहीं तो उन्हें चुनाव में परिणाम भुगतना पड़ेंगे।

इसके बाद लक्ष्मण सिंह के बयान पर कांग्रेस ने संज्ञान लेते हुए 9 मई को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। पार्टी की अनुशासन समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने उनसे 10 दिन में जवाब मांगा था। लेकिन, जवाब संतोषजनक नहीं होने के चलते उनके निष्कासन की अनुशंसा की गई है। हाल में भोपाल दौरे के मौके पर राहुल गांधी ने भी कहा था कि हमारे तीन चार नेता अनावश्यक बयान देकर कार्यकर्ताओं का जोश धीमा कर देते हैं और भाजपा को फायदा पहुंचाने वाले बयान देते हैं।

यूजी-पीजी में पंजीयन, सत्यापन पूरा

भोपाल। प्रदेश के सरकारी और निजीकॉलेजों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग ई-प्रवेश प्रक्रिया जारी है।?अंतिम दिन तक प्रदेशभर करीब 3 लाख पंजीयन यूजी-पीजी में हुए हैं। जबकि ढाई लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी करा लिया है।अब विद्यार्थियों को सीट आवंटन का इंतजार है। उच्च शिक्षा विभाग 12 जून को सीटों का आवंटन करेगा। विद्यार्थी 13 से 18 जून तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 13 से 18 जून 2025 तक होगा। उल्लेखनीय है कि ई-प्रवेश प्रक्रिया में इस बार प्रदेश के 562 सरकारी और 364 निजी कालेज जोड़े गए हैं। वंचित विद्यार्थी सात जून तक सत्यापन करा सकेंगे। प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा।

भाजपा के कई नेता महिलाओं का कर रहे अपमान: सपा ने लगाया गंभीर आरोप

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र समाजवादी पार्टी ने भाजपा और उसके कई नेताओं पर आरोप लगाए हैं कि वे लगातार महिला विरोधी बयान देकर महिलाओं का अपमान कर रहे हैं। पार्टी को इस पर जनता को जवाब देना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने महिलाओं को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा दिए बयान की निंदा की। यह भी कहा कि विजयवर्गीय भाजपा के अकेले जनप्रतिनिधि नहीं है, बल्कि उनके अलावा भी लगातार भाजपा के कई नेता महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचा रहे है। हरकते भी इस तरह कर रहे हैं जो शर्मशार कर रही है। ये भी आरोप लगाए कि मंत्री विजय शाह भी ऐसा करने वालों में शामिल है, जिन्होंने सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ बेशर्मी भरा बयान दिया। तब भी पार्टी ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की। डॉ. यादव ने महिला आयोग से विजयवर्गीय के बयान पर संज्ञान लेकर कार्रवाई के दायरे में लेने की मांग की।

ई-ऑफिस प्रणाली को सुदृढ़ बनाने बड़ा कदम

मंत्री भूरिया की अफसरों को ताकीद ई-ऑफिस के जरिए ही भेजे नस्तियां

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश की महिला मंत्री निर्मला भूरिया ने अफसरों को ताकिद दी है कि वे फाइलें ई-ऑफिस के जरिए ही भेजें। ऐसा नहीं करने वालों को कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। असल में सरकार खुद ई-ऑफिस पर कामकाज को शिफ्ट कर रही है। मंत्रालय में ज्यादातर काम ई-ऑफिस पर ही हो रहे हैं। ऐसे में मंत्री निर्मला भूरिया ने अपनी ओर से पहले करते हुए ये निर्देश प्रभार वाले जिले मंदसौर व नीमच के अफसरों को भी दिए। इसके अलावा गृह जिले के अधिकारियों को भी कहा है।

मंत्री भूरिया ने ई-ऑफिस प्रणाली को सुदृढ बनाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हुए प्रभारी मंत्री की अलग से आईडी भी बनाई है। इस प्रकार मंदसौर और नीमच अब ऐसे जिले हो गये है जो प्रभारी मंत्री को ई-फाईल प्रेषित कर सकेंगे। मंत्री कहा कहना है कि इससे सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, तत्परता और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लक्ष्यों को शीघ्र हासिल करने में मदद मिलेगी। मप्र सरकार निरंतर अपनी सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाईन कर रही है। डिजिटाइजेशन के माध्यम से सभी योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने, विभागों का समन्वय बढ़ाने और जन कल्याण की गति तेज करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि यह सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा।

मेट्रो एंकर

नर्मदा परिक्रमा पथ की पंचायतों में रेवा आश्रम सामुदायिक भवन बनाएं जाएंगे

पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य कराएं पंच-सरपंच

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शनिवार को टिमरनी में सरपंच सम्मेलन में कहा कि पंचायतों के पंच, सरपंचों अपनी अपनी पंचायत क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाएं, और जल स्रोतों के संरक्षण के कार्य कराएं। मंत्री पटेल ने कहा कि पंचायतों में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में सरकार ने पंचायतो के अधिकार भी बढ़ाए हैं और खर्च की सीमा भी बढ़ाई है। पंचायतो को विकास कार्यों के लिए

पहले से अधिक राशि आवंटित की जा रही है। मंत्री पटेल ने कहा कि सरपंच ईमानदारी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नए प्रावधानों के तहत अब पुल पुलिया पहले से अधिक ऊंचाई के बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हरदा जिले में 500 से अधिक आबादी की 15 बस्तियां चिन्हित की गई है जहां पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नई सड़कें निर्मित की जाएगी। मंत्री पटेल ने कहा कि हरदा जिले में 14 नए पुल पुलिया भी इस योजना के तहत निर्मित करने के लिये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 247 नदियों का उद्गम स्थल है। इसके बावजूद प्रदेश के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में कुओं और ट्यूबवेल का जलस्तर गिरता जा रहा है। आज जरूरत जलस्रोतों के संरक्षण और पौधारोपण की है। मंत्री पटेल ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ की पंचायतो में रेवा आश्रय सामुदायिक भवन÷ बनाए जाएंगे।

नवाबों की विरासत : ताजमहल से बाबे-ए-आली तक

समृद्ध विरासत व मजबूत रिश्तों की बुनियाद वाला शहर भोपाल-3

ताहिर अली

भोपाल के ताजमहल की इमारत, जिसे नवाब हमीदुल्ला खान ने पाकिस्तान से आए सिंधी शरणार्थियों को शरण देने के लिए समर्पित किया था, आज भी सांप्रदायिक सौहार्द्र की मिसाल है। भोपाल शहर के बीचों-बीच स्थित जामा मस्जिद हिंदू-मुस्लिम एकता की परिचायक है। गोलघर, गौहर महल, मिंटो हॉल,

सदर मंजिल और बॉबे आली जैसी शानदार इमारतें अपनी खूबसूरती और भाईचारे की गवाह हैं। भोपाल में किसी जमाने में खवातीन (महिलाओं) के लिए घरेलू सामान की जबरदस्त प्रदर्शनी बाबे-ए-आली में लगा करती थीं। जिसमें शहर के ब? ताजिर (व्यापारी) अपनी दुकानें प्रदर्शनी में लगाया करते थे। प्रदर्शनी में 10 साल से ज्यादा के पुरूषों को आने की अनुमति नहीं थीं। भोपाल के नबाव होली त्योहार के बाद रंगपंचमीं पर शहरवासियों के साथ मिलकर रंग खेलते थे। उस जमाने में शादियां मोहल्ले में शामियाने लगा कर की जाती थी। भोपाल की पहचान उस दौर में खास सवारी तांगा से हुआ करती थी। शादी समारोह में शामिल होने आए मेहमानों का तांगा सवारी का किराया खुद अदा करते थे।

भोपाल की सरजमीं को यह फ़ख्र हासिल है कि यहाँ एक ऐसा जांबाज़ स्वतंत्रता सेनानी पैदा हुआ, जिसने अपनी पूरी जिंदगी भारत की आज़ादी के नाम कर दी। मौलाना मोहम्मद बरकतउल्ला भोपाली – एक ऐसा नाम, जो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ज्वाला बनकर उभरा। कच्चे मकान में जन्मे इस अज़ीम शख्स ने दुनिया के 26 देशों में 45 सालों तक भटकते हुए स्वतंत्रता की मशाल को जलाए रखा। 1890 में जब वो इंग्लैंड पहुंचे, तो देखा कि एक ही साम्राज्य में एक देश (इंग्लैंड) सम्पन्न और

दूसरा (भारत) बदहाल क्यों है? इस अन्याय के खिलाफ उन्होंने कलम और जुबान को हथियार बनाया। पेरिस में 'अल-इंक़लाब' के संपादक बने, जापान में 'इस्लामिक फ्रेटरनिटी' नामक अखबार शुरू किया, जर्मनी में लाला हरदयाल के साथ 'ग़दर पार्टी' की नींव रखी और अमेरिका में जाकर भारतीयों को एकजुट किया। 1915 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने रूस में क्रांतिकारी लेनिन से मुलाकात की, और गांधीजी के मार्गदर्शन में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के साथ मिलकर अफगानिस्तान में निर्वासित भारत सरकार की स्थापना की। इसमें बरकतउल्ला भोपाली को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। उनके नाम पर भोपाल में आज 'बरकतउल्ला विश्वविद्यालय' और 'बरकतउल्ला भवन' स्थापित हैं।

शायरों, हॉकी खिलाड़ियों और पूर्व राष्टपति की धरती~ भोपाल ने देश को न केवल नामचीन शायर और लेखक दिए, बल्कि हॉकी के क्षेत्र में अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान दिलाई। खपोटा लकड़ी से बनी हॉकी स्टिक लेकर इस शहर के खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया। यही भोपाल है जिसने डॉ. शंकर दयाल शर्मा को राष्टपति पद तक पहुँचाया ङ्क यह हर भोपाली के लिए गर्व की बात है।

भोपाल का जिक्र करेंगे तो ओबेदुल्ला खां हॉकी गोल्ड कप का उल्लेख जरूरी है, नहीं तो यह अधूरा माना जाएगा। ये टूर्नामेंट भोपाल में एक जश्न की तरह मनाया जाता था। भोपाली पूरे साल इस का इन्तेजार करते थे। हिदुस्तान के अलावा इन्टरनेशनल टीमें में भी इस टूर्नामेंट में भाग लेती थी। साइकिलों का दौर था हर साइकल सवार ऐशबाग स्टेडियम की तरफ नजर आता था। यह जानना भी ज़रूरी है कि रियासत भोपाल की बेगम सुल्तान जहां के बेटे प्रिंस औबेदुल्ला ख़ान के नाम पर इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1931-32 में हुई थी। यह भारत में हॉकी का सबसे पुराना हॉकी टूर्नामेंट माना जाता है। उस दौर में अकेले भोपाल में ही 65 हॉकी क्लब थे। वहीं रायसेन जिले का कस्बा 'औबेदुल्लागंज' भी प्रिंस औबेदुल्ला के नाम पर ही रखा गया है। एक ज़माने में भोपाल को 'हॉकी की नर्सरी' कहा जाता था।

बहरहाल, वर्तमान में भोपाल एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। ओवरब्रिज, स्मार्ट रोड, मेट्रो रेल जैसे प्रोजेक्ट्स पुराने शहर को नए शहर से जोड़ रहे हैं। एयरपोर्ट अब भी विशेष सेवाओं के लिए कार्यरत है और पुराने दौर की 'पुतली घर' नामक कपड़ा मिल की मीनार आज भी इतिहास की गवाही देती है। मेरे अतीत के झरोखे से कुछ यादगार पल जो मैंने आज भी अपनी यादों में संजोकर रखे हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि 71 वर्ष की उम्र में आज भी भोपाल की इस संस्कृति, भाईचारे और शांति से जुड़ा हूँ। यही दुआ करता हूँ कि यह शहर सदा यूं ही फले-फूले, इसकी गंगा-जमुनी तहज़ीब को कभी कोई बुरी नज़र न लगे और इसकी खूबसूरती बनी रहे।

(लेखक जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

भोपाल-नंबरों का एक अदद शहर

वक्त के साथ भोपाल शहर बढ़ता गया, नई बसाहटों के नए-नए नाम आये। विस्तारित हुए शहर भोपाल के इलाकों की शिनाख्त नंबरों से भी होती है। सबसे पहले आता है 1250, मतलब जिला अस्पताल जयप्रकाश चिकित्सालय, जिसे ज्यादातर लोग 1250 या जेपी अस्पताल कहते हैं। यह नामकरण इलाके में बने 1250 सरकारी आवासों से है। करीब ही सेकेंड स्टाप है,जो कभी सिटी बस को का स्टॉपेज था। हालांकि, इलाके का असली नाम तुलसीनगर है। सेकंड से आगे बढ़े तो मालूम नहीं क्यों तीन व चार ग़ायब हैं और सीधे पांच नंबर इलाका और पांच नंबर मार्केट। असलियत में ये शिवाजी नगर इलाके का हिस्सा है। पांच के बाद छह नंबर भी शिवाजी नगर का ही हिस्सा है। इतना ही नहीं मिनी बस वालों और यात्रियों की सहूलियत के लिये छह नंबर और सात नंबर स्टॉप के बीच सवा छह और साढ़े छह भी हैं। इन इलाकों में रहने वाले खुद के पते के बारे में यही बताते हैं। सात नंबर के बाद आठ नंबर स्टॉप को आठ नंबर कम रविशंकर मार्केट के नाम से ही जाना जाता है। यहां के वाणिज्यिक इलाके को नौ नंबर के नाम से जाना जाता है। आगे 10 और 11 नंबर के बीच साढ़े 10 नंबर भी पता बन चुका है। 1100 इलाके की पहचान 1100 सरकारी क्वार्टर्स की वजह से है। अब वापस बस स्टॉप की रवायत में आएं तो 11 नंबर से आगे बढ़े तो 12 नंबर, और इसी लिये भोपाल के नए शहर के पीडब्ल्युडी दफ्तर के भवन को 12 नंबर दफ्तर के नाम से जाना जाता है। नंबरों वाला होने में शहर के सबसे ज्यादा पॉश इलाके भी पीछे नहीं हैं। चार इमली, 74 बंगले और 45 बंगले हैं। जहां संतरी से मंत्री तक और बाबू से सबसे बड़े बाबू (आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अफसर) के साथ ही दूसरे अफसर रहते हैं। बुजुर्ग बताते हैं कि जब भोपाल राजधानी नहीं था तब मौजूदा चारइमली इलाका घना जंगल था और इमली के चार बड़े पेड़ थे। पैंतालीस और चौहत्तर बंगले भी बंगलों की संख्या के कारण बने। अब नए इलाके प्रकट हो रहे हैं और भोपाल शहर पूंछ की तरह बढ़ रहा है। पूंछ में शामिल हो रहे हैं होशंगाबाद रोड एनएच-12 के दोनों तरफ के आर्केड, पैलेस, विला, विहार और पुरम। नई कॉलोनियों की बसाहट भोजपुर की ओर जाने वाले मोड़ तक पहुंच गई है। भोपाल की लंबी होती पूंछ की फिलवक्त लंबाई मील में है, लिहाजा इसे 11 मील कहते हैं।

चिनाब नदी भले ही आकार में गंगा या ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल न हो, परंतु राजनीतिक, भौगोलिक और कूटनीतिक दृष्टि से इसकी महत्ता अत्यधिक है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसके कूटनीतिक महत्व को स्पष्ट रूप से देखा जा चुका है।

चिनाब : केवल नदी नहीं इतिहास और भूगोल का संवाद

वीना गौतम

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। मानव सभ्यता का उद्गम नदी किनारे ही हुआ और नदियों के तट पर ही दुनिया की सभी प्रमुख सभ्यताएं और संस्कृतियां विकसित हुईं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती जनसंख्या और नदियों के प्रति आम जन की उदासीनता के चलते आज न केवल जल संकट गहराया है, बल्कि नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में नदियों का संरक्षण आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य हो गया है। साथ ही, हमें अपनी नई पीढ़ियों को भी इनके प्रति संवेदनशील बनाना होगा, ताकि इनका अस्तित्व बना रहे और मानव सभ्यता एवं संस्कृति निरंतर फले-फूले। चिनाब नदी भले ही आकार में गंगा या ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल न हो, परंतु राजनीतिक, भौगोलिक और कूटनीतिक दृष्टि से इसकी महत्ता अत्यधिक है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसके कूटनीतिक महत्व को स्पष्ट रूप से देखा जा चुका है। यह भारत-पाक संबंधों की संवेदनशील कड़ी है। इसके अलावा चिनाब नदी भारत की संस्कृति, अर्थव्यवस्था, राजनीति और पारिस्थितिकी में भी अहम भूमिका निभाती है। यह नदी हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्र में स्थित दो प्रमुख जलधाराओं– चंद्रा और भागा – के संगम से उत्पन्न होती है। चिनाब की कुल लंबाई 974 किलोमीटर है, जिसमें से लगभग 486 किलोमीटर यह भारत में बहती है। आगे चलकर यह जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र से होती हुई पाकिस्तान में प्रवेश कर जाती है। यदि केवल लंबाई, जलग्रहण क्षेत्र और प्रभाव क्षेत्र को आधार माना जाए, तो गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, गोदावरी, नर्मदा, यमुना और सतलुज जैसी नदियां चिनाब से ऊपर मानी जाएंगी। फिर भी, चिनाब सिंधु नदी प्रणाली की पांच प्रमुख सहायक नदियों में से एक है – अन्य चार हैं ~झेलम, सतलुज, रावी और ब्यास। रणनीतिक दृष्टि से चिनाब भारत की शीर्ष 10 नदियों में शुमार होती है, क्योंकि यह भारत-पाक जल संधि का केंद्रीय बिंदु है। भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता से सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके अंतर्गत तीन पूर्वी नदियां –रावी, ब्यास और सतलुज– भारत को मिलीं, जबकि सिंधु, झेलम और चिनाब पर पाकिस्तान का अधिकार मान्य किया गया, किंतु भारत को इनका सीमित उपयोग– जैसे सिंचाई, बिजली उत्पादन, और बाढ़ नियंत्रण – की अनुमति दी गई। इस संधि के तहत चिनाब नदी पाकिस्तान के लिए एक जीवनरेखा जैसी है, क्योंकि पंजाब प्रांत का एक बड़ा भाग कृषि के लिए इसी नदी पर निर्भर है। भारत ने चिनाब नदी पर कुछ प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं प्रस्तावित की हैं, जैसे ~बगलिहार परियोजना – 450 मेगावाट, जम्मू, पकलडुल परियोजना – 1000 मेगावाट, किश्तवाड़, रातले परियोजना – 850 मेगावाट। इन परियोजनाओं पर पाकिस्तान ने कई बार आपत्ति जताई है और मामला विश्व बैंक तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से बगलिहार परियोजना को लेकर 2005 में विवाद हुआ, जिसे तटस्थ विशेषज्ञ ने भारत के पक्ष में निपटाया था। चिनाब घाटी भौगोलिक, पारिस्थितिकीय महत्व और जैव विविधता के लिए जानी जाती है। यहां दुर्लभ पर्वतीय वनस्पतियां और जीव-जंतु पाए जाते हैं। यह क्षेत्र हिमालयन इकोज़ोन का हिस्सा है और कई वन्यजीव अभयारण्यों के समीप स्थित है। चिनाब का जलवायु और पारिस्थितिकी पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसका प्रमुख जलस्रोत हिमनद (ग्लेशियर) हैं, जिनके पिघलने से नदी के प्रवाह में अनियमितता आती है। गर्मियों में बाढ़ और सर्दियों में जल की कमी–दोनों चिनाब घाटी में देखे जाते हैं, जिससे न केवल स्थानीय पारिस्थितिकी, बल्कि मानव जीवन भी प्रभावित होता है। यही कारण है कि यहां बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं लगातार होती रहती हैं।

इस घाटी में रहने वाले अधिकांश लोग कृषि, पशुपालन अथवा जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े हैं। चिनाब के जल से जम्मू क्षेत्र में अच्छी कृषि उपज होती है और पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इसके जल पर आधारित परियोजनाएं रोजगार, ऊर्जा उत्पादन और स्थानीय विकास का आधार बनी हैं। स्थानीय समुदायों के लिए यह नदी जीवन रेखा है।

मन के साथ जबरदस्ती की तो वह बागी हो जाएगा... सरल बनना ही सूत्र

आचार्य महाप्रज्ञ

सप्ताह में सात दिन होते हैं। इनमें से रविवार अवकाश का दिन होता है। सरकारी कार्यालयों में शनिवार भी आधी छुट्टी का दिन होता है। अब तो सप्ताह सात के बजाय पांच दिन का होने लगा है। लेकिन मन बेचारा रात-दिन काम में जुटा रहता है। एक क्षण के लिए भी छुट्टी नहीं लेता। क्या ही अच्छा रहे कि मन भी रविवार के दिन छुट्टी मनाया करे! मन को भी अवकाश मिलना चाहिए। लेकिन प्रश्न है कि मन को छुट्टी मिले कैसे? छुट्टी न भी मिले तो कोई बात नहीं, किंतु बुरे विचारों और नकारात्मक विचारों से तो इसे बचाया ही जाना चाहिए।मन में कचरा भरा है, तो किसी अच्छे चिंतन के लिए अवकाश कहां रहता है? एक व्यक्ति किसी महात्मा के पास गया और निवेदन किया कि उपदेश सुनाएं। महात्मा को उस व्यक्ति का आभामंडल अच्छा नहीं लगा। दूसरे शब्दों में कहें, तो वह व्यक्ति महात्मा जी को उपदेश ग्रहण करने का पात्र नहीं लगा। उसकी आकृति और प्रकृति बता रही थी कि यह अतिशय चंचल मन वाला व्यक्ति है।महात्मा जी ने टालने के अंदाज में कहा, 'फिर कभी आना।' उस व्यक्ति ने कहा, 'कोई बात नहीं, कभी अमृत वचन सुनाने की कृपा कर दीजिएगा, किंतु आज इतनी कृपा कर दें कि मेरे हाथ से थोड़ी-सी भिक्षा ग्रहण करें।' साधु ने स्वीकृति दे दी। महात्मा जी अपने कक्ष में गए। वहां से एक पात्र लेकर आए और उस व्यक्ति के साथ उसके घर गए। वहां भिक्षा लेने के लिए जब झोली से पात्र निकाला तो देखा

उसमें कूड़ा, करकट और मिट्टी भरी है। भक्त ने भिक्षा देने के लिए बढ़ाया हुआ अपना हाथ रोक लिया। बोला, 'महाराज! पात्र में तो गंदगी भरी है। इसमें खीर और मालपुए के लिए गुंजाइश कहां है? पहले पात्र को खाली करें। अन्यथा इसमें भी जो अच्छी चीज डाली जाएगी, वह खराब हो जाएगी।' महात्मा जी ने कहा, 'मैंने भी तुम्हें इसलिए उपदेश नहीं दिया, क्योंकि तुम खाली नहीं हो। बहुत-सी गंदी चीजें तुम्हारे मन में भरी हुई हैं। पहले मन को उनसे खाली करो, फिर अच्छी चीज के लिए उसमें जगह मिलेगी। अभी जो भी उसमें डाला जाएगा, वह अच्छा होकर भी खराब हो जाएगा। इसलिए मन के शोधन का उपाय खोजें। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र में लिखा है, 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोध~।' योग का मतलब है चित्तवृत्ति का निरोध करना। जितना शोधन, उतना अच्छा निरोध। मन के साथ जबर्दस्ती नहीं चलती। मन के साथ अगर कोई जबर्दस्ती करने की कोशिश करेगा, तो वह बागी हो जाएगा। मन को नियंत्रित करने के लिए शोधन का उपाय काम में लिया जाना चाहिए। कुछ लोग मानसिक समस्या से मुक्त होने के लिए मन को जबर्दस्ती अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। लेकिन मन आसानी से काबू में कहां आता है? मन को नियंत्रित करने का एक ही उपाय है-शोधन। उसके साथ मित्रता का व्यवहार करें। अपने भीतर की दुनिया को देखें, भाव जगत को देखें। भावों को समझने का प्रयत्न करें, सूक्ष्म की ओर जाएं, तो व्यक्ति अपने लिए दूसरों के लिए भी उपयोगी हो सकता है, शांतिमय वातावरण का निर्माण कर सकता है।

सूत्र- सरल बनें : *क्रोध एक नकारात्मक भाव है, तो क्षमा में उसका सकारात्मक भाव मौजूद है। इसी तरह अहंकार के सामने विनम्रता, मृदुता, छल-कपट के सामने सरलता, लोभ के सामने संतोष, घृणा के सामने प्रेम आदि ऐसे शक्तिशाली हथियार हैं, जिनके सामने किसी भी तरह के नकारात्मक भाव बेअसर साबित हो सकते हैं।*

(साभार)

नर्मदापुरम। शनिवार को नगर में इस्लाम के अनुयायियों ने ईद उल जुहा का त्यौहार परंपरा अनुसार मनाया. सुबह स्थानीय ईदगाह पर जाकर सामूहिक रूप से नवाज अदा की गई। दिन भर एक दूसरे को ईद की शुभकामनाएं देने का सिलसिला जारी रहा।

प्रेस-काउंसिल ने जारी की एडवाइजरी

प्रेस-काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय प्रेस परिषद) के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है,कुछ प्रेस संगठनों द्वारा 'प्रेस-परिषद' शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है।

सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखने एवं सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। इसका सचिवालय नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सूचना भवन में है। सचिवालय द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय प्रेस-परिषद की किसी भी राज्य में कोई शाखा नहीं है, न ही उसने किसी अन्य निकाय को अपने समान या मिलते-जुलते नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है।

सचिवालय से जारी निर्देश के अनुसार किसी संगठन द्वारा प्रेस काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषदशब्द का उपयोग करना, प्रतीक और नाम के अनुचित उपयोग निवारण अधिनियम, 1950 की धारा 3 और प्रविष्टि 7(द्बद्ब) का उल्लंघन है। इस संदर्भ में केन्द्रीय विधि विभाग ने भी स्पष्ट किया है कि किसी अन्य संगठन द्वारा इस नाम का उपयोग करना अवैध है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

सचिवालय ने 'प्रेस-काउंसिल' अथवा भारतीय प्रेस परिषदशब्द का उपयोग न करने के संबंध में सभी जिला कलेक्टर्स को भी निर्देशित किया गया है। सचिवालय का निर्देश है कि यदि कोई स्थानीय, निजी अथवा सरकारी संगठन इस नाम का दुरुपयोग करता है, तो उनके पंजीकरण को निरस्त किया जाए अथवा उसमें आवश्यक सुधार किया जाए। सरकार की इस पहल का उद्देश्य प्रेस परिषद ऑफ इंडिया की प्रतिष्ठा को बनाए रखना और प्रेस की स्वतंत्रता व मानकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

10 से 21 जून तक होगी च्वाइस फिलिंग

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में द्वितीय चरण के ऑनलाइन पंजीयन 17 जून तक होंगे

नर्मदापुरम। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम के प्राचार्य, डॉ. पी.सी. नरवरे ने जानकारी देते हुए बताया कि डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में संचालित ब्रांच सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्री कल इंजी., कम्प्यूटर साइंस एवं मॉडर्न आफिस मैनेजमेंट, सत्र 2025-2026 में प्रवेश हेतु द्वितीय चरण के ऑनलाईन पंजीयन दिनांक 04 जून 2025 से प्रारम्भ है एवं पंजीयन 17 जून 2025 की रात्रि 11¬45 तक होगें तथा च्वाइस फिलिंग 10 जून 2025 से 21 जून 2025 रात्रि 11¬45 तक होगी। शासन द्वारा च्वाइस फिलिंग करने हेतु 330 रूपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। च्वाइस फिलिंग के पश्चात कॉमन मैरिट सूची की उपलब्धता 22 जून 2025 को विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध होगी। आंवटित संस्थाा में उपस्थिति 26 जून 2025 से 30 जून 2025 सांय 05 बजे तक छात्र-छात्राएं मूल दस्तावेजों का सत्यायपन कराकर संस्था में प्रवेश ले सकेगें। प्रवेश बढाने हेतु संस्था की टीम द्वारा नगर एवं आसपास के गांव में संपर्क कर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है एवं बालिकाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने एवं उनके सुनहरे भविष्य हेतु रोजगार/स्वरोजगार उपलब्ध कराकर सक्षम बनाने हेतु प्रयासरत है। प्रवेश हेतु 10वीं उत्तीर्ण/12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य को देखते हुए तकनीकी शिक्षा बहुत उपयोगी है। इसमें विद्यार्थियों को अंतिम वर्ष के आते-आते नामी कंपनियों में प्लेसमेंट मिलने की संभावना होती है। तकनीकी पाठ्यक्रम एवं गैर तकनीकी पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता कक्षा 10वी उत्तीर्ण है एवं 12वीं/आई.टी.आई. उत्तीर्ण विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष की रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री द्वारा प्रवेश दिया जावेगा। वर्तमान में अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन/ च्वाइस फिलिंग में यदि किसी प्रकार की कोई असुविधा होती है तो छात्र-छात्राएं विभागाध्यक्ष - आर.आर.चंद्राकर - 7999982337, विभागाध्यक्ष - देवेश तिवारी - 7999832684, अजय चण्डाले - 8871138780, संदीप साल्वे - 8234852321 से संपर्क कर सकते हैं अथवा महाविद्यालय पहुँच कर प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है तथा नजदीकी एमपी ऑनलाईन किओस्क पर संपर्क कर प्रवेश की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जन अभियान परिषद माखन नगर ने मनाया बावड़ी उत्सव

श्रमदान कर जल स्रोत-बावड़ी की सफाई की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर संपूर्ण जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुरानी जल संरचनाओं को सहजने का कार्य जन अभियान परिषद के द्वारा किया जा रहा है. माखन नगर में बालाजी मंदिर बावड़ी पर बावड़ी उत्सव मना कर पुरानी जल संरचनाओं को सहेजने का संदेश दिया। कार्यक्रम अंतर्गत सर्वप्रथम जन अभियान परिषद के वॉलिंटियर्स के द्वारा श्रमदान कर बावड़ी की साफ सफाई का कार्य किया गया एवं जन जागरूकता हेतु प्रेरणादाई दीवार लेखन कर जल संरक्षण का संदेश दिया, साथ ही बावड़ी का रंग रोगन कर दीपों एवं फूलों से सजाया गया। जन अभियान परिषद कि छात्रों के द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु रंगोली बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर जल चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें जन अभियान परिषद नर्मदापुरम के संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुरानी जल संरचनाओं को सहेजने का दायित्व हम सभी का है यह हमारे पूर्वजों की देन है जिन्हें संभालना हमारी जिम्मेदारी है। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक पवन सहगल ने कहा कि जन अभियान परिषद निरंतर जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। इसी क्रम में आज बावड़ी महोत्सव का आयोजन किया गया है इसके माध्यम से जल संरचनाओं को सहेजने का संदेश जन-जन को दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मनीष चतुर्वेदी, विपिन यादव जनपद सदस्य जितेन्द्र मीणा, पार्षद सविता सुरेश यादव सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के परामर्शदाता नवांकुर संस्था प्रतिनिधि, बीएसडब्लू, एमएसडब्लू सहित अनेकगणमान्य व्यक्तियों हिस्सा लिया कार्यक्रम का आभार जन अभियान परिषद माखन नगर के विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख के द्वारा व्यक्त किया गया।

जनभागीदारी से मेहाउ झिरिया सिद्धधाम में जल स्रोत की साफ-सफाई

तेंदूखेड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस एवं जल गंगा अभियान के अंतर्गत ग्रामीण विकास समिति जीब्हीएस के द्वारा अमेहाउ झिरिया सिद्धधाम में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी के साथ जल स्रोत की सफाई की गई और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में लगभग 35 ग्रामीणों ने भाग लिया। जीब्हीएस कार्यक्रम संगठक धरमदास पाल द्वारा वन एवं पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा मृदा संरक्षण जैसे विषयों पर संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को इन प्राकृतिक संसाधनों की महत्ता और इनके संतुलन को बनाए रखने के उपायों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से राजेश द्वारा वर्षा जल संचयन के सरल व कारगर उपायों की जानकारी साझा की गई, जिससे गांव के लोग अपनी दैनिक जल जरूरतों को प्राकृतिक तरीकों से पूरा कर सकें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जागरूक बनाना तथा उनके संरक्षण में सहभागिता सुनिश्चित करना था। आयोजन के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु मिलकर कार्य

करने की शपथ ली। ग्रामीण विकास समिति द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय चेतना बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जायगा। इसके अलावा टेरी के सहयोग से स्माल ग्रांट प्रोग्राम के तहत संस्था हाथीडोल जरुआ इमलीडोल खकरिया खुर्द , हुलासपुरा सुरगुवा भोपाठा में जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, जलवायु परिवर्तन पर कार्य करती है। इस दौरान ग्राम के जाहर सिंह, बहादुर सिंह, निरपत सिंह, गोपाल, हल्लू सिंह, भगवान सिंहख् बबलू सिंह, नीरज यादव मानसिंह आदि लोग उपस्थित थे।

देवारण्य योजना अंतर्गत अश्वगंधा की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा देवारण्य योजना के तहत अश्वगंधा की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केसला ब्लॉक के पंचायत भवन में संपन्न हुआ, जिसमें जिला आयुष अधिकारी डॉ. विमला गड़वाल के निर्देशानुसार अश्वगंधा की खेती और उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में के के रघुवंशी, ग्रामीण उद्यानकी अधिकारी ने अश्वगंधा की खेती के बारे में विस्तार से बताया। तथा आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयश्री चौहान ने अश्वगंधा से स्वास्थ्य लाभों और उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्थानीय सरपंच धनिया बाई इवने, एवं होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. आनंद सागर, संतोष परते, सुंदरलाल, सरोज उपनारे और दसरथ संस्था के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की मिलेगी छूट

नर्मदापुरम। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जाएगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट निम्नदाब उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय (सोलर ऑवर) के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी।

घरेलू और गैर घरेलू सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट श्रेणी के उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर (सुबह) 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी तरह गैर-घरेलू और निम्दाब के औद्योगिक उपभोक्ताओं, आटा चक्की आदि को सौर आवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और निम्नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सोलर ऑवर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

विधिक सेवा समिति का पौधारोपण एवं विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में एवं रुद्राक्ष ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से ग्राम पंचायत महागौर के पंचायत भवन में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में पौधारोपण एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड श्रीमती साक्षी प्रसाद द्वारा अपने वक्तव्य में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूता, समानता का अधिकार, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, चिकित्सा का अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता, शासन की अन्य कल्याणकारी योजना आदि घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, भरण-पोषण, मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम नालसा-असंगठित क्षेत्र के श्रमिको के लिए विधिक सेवाऐं 2015, नालसा आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाऐं योजना 2015 सम्बन्धी विभिन्न जानकारियां प्रदान की गई। कार्यक्रम में पीपल के 5 पौधों का रोपण करते हुए संरक्षण का संकल्प ग्रामीणों को दिलवाया। उक्त आयोजन में अधिवक्ता संजीव अरोरा , शेरसिंह यादव , पीलव्ही देवेंद्र साहू, ग्राम पंचायत सचिव अमरसिंह , सरपंच ,ग्राम रोजगार सहायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर विकसित कृषि संकल्प योजना की वैज्ञानिक जानकारी गांव गांव और किसान-किसान तक पहुंचाई जा रही

वैज्ञानिकों ने दिया किसानों को खेती करने का व्यावहारिक मार्गदर्शन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने की दिशा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में विकसित कृषि संकल्प योजना के अंतर्गत गांव-गांव तक वैज्ञानिक जानकारी पहुँचाई जा रही है। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, कृषि विभाग एवं द्बष्ट्रक्र के वैज्ञानिकों का दल बुधवाड़ा, डोंगरवाड़ा, पालनपुर एवं कांद्राखेड़ी गांव पहुँचा।

इस भ्रमण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र पटेल ने खरपतवार प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खरपतवार न केवल फसल की वृद्धि को रोकते हैं, बल्कि उत्पादन में भी गिरावट लाते हैं। उन्होंने रसायनिक एवं यांत्रिक नियंत्रण के उपाय किसानों को बताए।

सहायक संचालक कृषि श्रीमती अर्चना परते ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि योजनाओं की जानकारी दी और किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे योजनाओं का लाभ लेकर उत्पादन लागत को घटाएँ और आय में वृद्धि करें।

एस. डी. सिंह ने बीज उत्पादन एवं उन्नत किस्मों की पहचान, भंडारण और प्रयोग से संबंधित व्यावहारिक जानकारी साझा की। उन्होंने यह भी बताया कि प्रमाणित बीजों का उपयोग उत्पादन में गुणात्मक सुधार लाता है।

कृषि महाविद्यालय पावरखेड़ा से पधारे डॉ. अस्कार टोप्पो ने किसानों को खरीफ की तैयारी से जुड़ी नवीनतम वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी, जिससे वे आगामी मौसम की फसलों के लिए अभी से बेहतर योजना बना सकें।

द्बष्ट्रक्रके वैज्ञानिक डॉ. जीतेन्द्र कुमार ने मृदा स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं जैविक तरीकों के महत्व को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री जयश्री देशमुख एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती प्राची भी उपस्थित रहीं। दोनों ने किसानों की समस्याएँ सुनीं और समाधान सुझाए।

किसानों ने इस जानकारीपूर्ण भ्रमण को अत्यंत उपयोगी बताया और विशेषज्ञों से लगातार ऐसे मार्गदर्शन की अपेक्षा जताई।

कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई 2 लाख 30 हज़ार रुपए का मशरूका सहित लूट का आरोपी गिरफ्तार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दिनांक 6 जून 2025 को रात्रि लगभग 10 बजे बीएसएनएल ऑफिस के पास, बस स्टैंड विदिशा पर लूट की एक गंभीर वारदात हुई। फरियादी राजू गुप्ता पिता लाल साह,उम्र 29 वर्ष, निवासी अदानी फैक्ट्री के सामने विदिशा,ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक अज्ञात पल्सर सवार युवक ने चाकू की नोंक पर गले से सोने की चेन लूट ली।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सोने की चैन 80 हज़ार व पल्सर मोटरसाइकिल 1 लाख 50 हज़ार रुपए अनुमानित कीमत की बरामद

गिरफ्तार आरोपी का विवरण

नाम नितेश पवार पिता रामकिशन पवार,उम्र 28 वर्ष, निवासी जावेद भाई का किराए का मकान,रंगिया पूरा,विदिशा

कुल बरामद मशरूका

सोने की चेन वजन लगभग 1 से 1.5 तोला,अनुमानित कीमत 80 हज़ार रुपए घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल कीमत लगभग 1 लाख 50 हज़ार रुपए कुल मशरूका मूल्य- 2 लाख 30 हज़ार रुपए फरियादी बस स्टैंड के पास बीएसएनएल ऑफिस के बाहर खड़ा होकर सिगरेट पी रहा था, तभी पल्सर सवार एक युवक उसके पास आया और चाकू दिखाकर धमकाया कि गले से चेन निकाल नहीं तो जान से मार दूंगा। डर के कारण फरियादी ने प्रतिरोध नहीं किया और आरोपी चेन लूटकर फरार हो गया। फरियादी के चिल्लाने पर उसके साथी चंदन और जीतू यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को धर दबोचा गया।

इस सफल कार्रवाई में निम्न पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही

निरीक्षक आनंद राज,उप निरीक्षक दीपक राठौड़,प्रधान आरक्षक महेन्द्र गौड़,आरक्षक आकाश राणा,आरक्षक सचिन सोनी,आरक्षक अरविंद पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की नई कार्यकारिणी बनी, मरापे बनीं जिला अध्यक्ष

हरदा, दोपहर मेट्रो।

कृषि उपज मंडी स्थित कृषक विश्राम गृह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निर्वाचन अधिकारी प्रीति यदुवंशी ने कार्यकारिणी की घोषणा की। सर्वसम्मति से कविता मरापे को जिला अध्यक्ष चुना गया। शोभा ठाटे, अन्नपूर्णा बिल्लोरे और माया चौहान को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। रजनी छलोत्रे को जिला सचिव का पद दिया गया। नई कार्यकारिणी में भागवती पटवारे, विमला चावरा और मनीषा लोमरे सह सचिव बने। मनीषा औसले को कोषाध्यक्ष बनाया गया। सीमा सोनी को कार्यालय मंत्री और रीता प्रजापति को सह कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष वंदना राजोरिया मौजूद रहीं। विभाग प्रमुख जितेंद्र सोनी, जिलाध्यक्ष मुकेश धामन्दे, जिला मंत्री प्रबल पंवार और कार्यालय मंत्री कैलाश विश्वकर्मा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए परीक्षा 24 को

बैतूल। नर्मदापुरम स्थित सीबीएसई बोर्ड के ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में कक्षा 11 वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा 24 जून 2025 को सुबह 11 बजे होगी। अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित इस विद्यालय में सभी वर्ग के विद्यार्थियों को आवास, भोजन, खेल सुविधाएं, लाइब्रेरी और गणवेश की सुविधा दी जाती है। बताया जाता है कि इस सत्र 2025-26 में कुल 47 सीटें उपलब्ध हैं। अनुसूचित जाति के बालकों के लिए 25 और बालिकाओं के लिए 18 सीटें हैं। जनजातीय सहित अन्य वर्ग के बालक और बालिकाओं के लिए 2-2 सीटें निर्धारित हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 जून 2025 है। प्रवेश के लिए 10वीं में 60 प्रतिशत या समकक्ष ग्रेड अनिवार्य है। विद्यार्थी आवेदन पत्र तीन स्थानों से प्राप्त कर सकते हैं - ज्ञानोदय विद्यालय बीटीआई नर्मदापुरम, बैतूल का आदिवासी उत्कृष्ट बालक छात्रावास और हरदा का जिला स्तरीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास।

मदिरा दुकानों पर क्यूआर कोड़ चस्पा

तय मूल्य से अधिक दामों पर विक्रय करने पर छह प्रकरण पंजीबद्ध

लगभग 9 लाख 57 हज़ार रूपए का जुर्माना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में आबकारी विभाग के द्वारा जिले में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय,परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही ने बताया कि जिले में मदिरा विक्रय नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। नियमित निगरानी और नियंत्रण शासन की प्राथमिकता के साथ की जाये। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी रंगशाही ने बताया कि विभिन्न सूत्रो से प्राप्त जानकारी और शिकायतों के आधार पर औचक निरीक्षण मदिरा दुकानों का किया गया और निर्धारित विक्रय मूल्य से अधिक दामों पर मदिरा विक्रय करते पाए जाने पर आबकारी विभाग द्वारा 6 शराब दुकानों पर कार्रवाई कर 6 प्रकरण दर्ज किये गये हैं। जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही ने इस

कार्रवाई की सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि एमआरपी/एमएसपी का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाएगी। यह संदेश सभी लाइसेंस धारकों और फील्ड स्टाफ के लिए है कि उपभोक्ता हित सर्वोपरि हैं। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में मदिरा विक्रय व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा हेतु जिला आबकारी विभाग द्वारा व्यापक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान जांच में पाया गया कि 6 शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक या एमएसपी से कम दर पर मदिरा विक्रय किए जाने के प्रमाण पाए गए, जिस पर 6 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस संबंध में सभी संबंधित लाइसेंस धारकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और इस कार्रवाई में लगभग 9 लाख 57 हज़ार रुपये का जुर्माना संभावित है। बताया गया कि इस कार्रवाई से उपभोक्ताओं को मदिरा उत्पाद निर्धारित दरों (एमआरपी/एमएसपी) पर ही उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आर्थिक शोषण पर रोक लगेगी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। आबकारी विभाग द्वारा इस प्रकार की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, जिससे शराब विक्रय प्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे और उपभोक्ताओं के साथ कोई भी धोखाधड़ी न हो। नागरिकों से अपील है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर जानकारी आबकारी विभाग को तत्काल सूचना दें।

मदिरा दुकानों पर की गई कार्यवाही

जिला आबकारी अधिकारी रंगशाही ने बताया कि विभागीय अमले के द्वारा की गई औचक जांच पड़ताल के दौरान अनियमितता पाए जाने पर जिन मदिरा दुकानों पर कार्यवाही की गई है। उनमें नयागोला,हाँसुआ, दीपनाखेड़ा,पीकलोन एवं पचमा बाईपास रोड़ दुकाने शामिल है।

क्यूआर कोड

जिला आबकारी अधिकारी रंगशाही ने बताया कि विगत कुछ समय से ग्राहको के द्वारा मदिरा रेट के संबंध में असंतोष शिकायते संज्ञान में लाई जा रही थी। प्राप्त शिकायतो पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल के साथ-साथ कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा जिले में विशेष पहल करने के निर्देश दिए गए थे। निर्देशो के अनुपालन में जिले की समस्त मदिरा दुकानों पर मदिरा रेट संबंधी क्यूआर कोड चस्पा करने की कार्यवाही संपादित की गई है अतः मदिरा क्रय करने वाले ग्राहक क्यूआर कोड को स्कैन कर वास्तविक एमआरपी/एमएसपी विक्रय दर से अवगत हो सकेंगे। यदि किसी मदिरा विक्रय दुकान के द्वारा क्यू आर कोड में दर्ज से अधिक राशि ली जाती है तो अविलम्ब सूचित करें ताकि आबकारी अधिनियमों के तहत कठोर कार्यवाही संपादित की जा सकें।

नवोदय विद्यालय में कक्षा छटवीं में प्रवेश हेतु ऑन लाइन आवेदन आमंत्रित

सिरोंज। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय शमशाबाद में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा छटवीं में प्रवेश के लिए ऑन लाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। आवेदन की तिथि 29 जुलाई नियत की गई है। संस्था के प्राचार्य श्री जितेन्द्र कुमार ने बताया कि कक्षा छटवीं में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र विदिशा जिले के मान्यता प्राप्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय में सत्र 2025-26 में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी का जन्म एक मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होना चाहिए। आवेदन करने व अन्य जानकारी के लिए पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की बेवसाइट पर जाकर आवेदन भर सकते है।

मेट्रो एंकर | जन जागरूकता कार्यक्रम

बाल भिक्षा वृत्ति, बाल श्रम और नशे में लिप्त बच्चों के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विदिशा के जतरापुरा मे बाल भिक्षावृत्ती, बाल श्रम, नशे मे लिप्त एवं सडक पर कचरा पन्नी बीनने बाले बच्चों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में बाल भिक्षावृत्ति रोकने, बच्चों द्वारा नशा नहीं करने व बाल श्रम नहीं करने के लिए यह जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की रूप रेखा श्रीमती आकांक्षा मरावी द्वारा रखी गई। जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि बच्चों से कचरा पन्नी, भिक्षा वृत्ती, नशा एवं बाल श्रम नहीं कराया जाना है क्योंकि यह बच्चों को उनकी शिक्षा पूर्ण करने से रोकता है हम सभी को इन बच्चों को भिक्षा नहीं शिक्षा से जोड़ना है यहां पर रहने वाले अधिकतर परिवार कबाड़ का कार्य करते हैं और अपने साथ बच्चों को भी उसमें जोड़ लेते हैं। हम सभी को उन बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कार्य करना है। अनिमेष तिवारी द्वारा विधिक सहायता एवं

पॉक्सो एक्ट के विषय मे बताया गया। श्रीमती देवनानंदनी बघेल द्वारा बाल श्रम रोकने एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ने के विषय मे बताया। बाल कल्याण समिति सदस्य श्री चंद्रभान सिंह राजपूत द्वारा बाल कल्याण समिति के माध्यम से बच्चों को दी जाने वाली सहयताओं के विषय मे बतलाया गया कि जिन बच्चों के माता पिता नही हैं उनको बाल गृह बालिका गृह मे रख कर उनकी शिक्षा एवं संरक्षण का कार्य किया जाता है और उनके परिवार को ढूंढते हुये परिवार मे पुनर्नवास कराया जाता है। सभी बिभागों के प्रतिनिधियों द्वारा बच्चों को बिभागीय योजनाओं से जोड़ने हेतु जानकारी दी गई।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष रामबाबू प्रजापति, सदस्य गण दीवान सिंह मीणा, श्रीमती लक्ष्मी शर्मा, श्रीमती सुनीता दांगी राजकुमार सर्राफ, परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह, संतोष रघुवंशी शिक्षा विभाग से बलभद्र सिंह मीणा, उप निरीक्षक रणधीर सिंह, श्रम निरीक्षक विवेक पचैरी, अशासकीय संस्थाओ के प्रतिनिधि सफल शिक्षा सेवा समिति से मनोज कौशल, एक्ससिस टू जस्टिस से दीपा शर्मा एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित हुये।

इंग्लैंड ने पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

नईदिल्ली. एजेंसी

इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 रन से हरा दिया। टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने 96 रन बनाए। ऑलराउंडर लियाम डॉसन ने 4 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। चेस्टर ले स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड में शुक्रवार को खेले गए मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 167 रन ही बना सकी।

बटलर ने 96 रनों की पारी खेली

इंग्लैंड की ओर से जोस बटलर ने 59 गेंदों पर 96 रनों की शानदार पारी खेली। बटलर के अलावा जेमी स्मिथ ने 38 और जैकब बेथेल ने नाबाद 23 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से रोमारियो शेफर्ड ने 2 विकेट झटके। अल्जारी जोसेफ, रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल को 1-1 विकेट मिला।

डॉसन ने 4 विकेट झटके

जवाब में वेस्टइंडीज की ओर से कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका। एविन लुईस ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। उनके अलावा रोस्टन चेज ने 24, जॉनसन चार्ल्स ने 18, रोमारियो शेफर्ड और जेसन होल्डर ने 16-16 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए लियाम डॉसन ने 20 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। बता दें इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। टी-20 सीरीज से पहले दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली गई थी। इसे इंग्लैंड ने 3-0 से जीता था। वनडे सीरीज में जो रूट को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

गुकेश नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में तीसरे नंबर पर रहे, वर्ल्ड नंबर-वन कार्लसन ने खिताब जीता

नईदिल्ली. एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे चेस 2025 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर रहे। एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी 5वें स्थान पर रहे। जीत के बाद कार्लसन ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टूर्नामेंट जीतना राहत की बात है। टूर्नामेंट काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन अंत में सबकुछ अच्छा रहा। गुकेश और अर्जुन के बारे में उन्होंने कहा, सभी बहुत अच्छे हैं। हालांकि, उन्हें अभी भी तैयारी के लिए थोड़ा समय चाहिए। आर्मेनिया में एक टूर्नामेंट चल रहा है, जहां भारत के आर प्रग्गनानंद और अरविंद चिदंबरम ने बहुत अच्छा शतरंज खेला। गुकेश के खिलाफ हुए मुकाबले में मिली हार को लेकर कार्लसन ने कहा, भले ही यह कोई अच्छी याद नहीं, लेकिन मुकाबला हमेशा याद रहेगा। भारतीय स्टार डी गुकेश ने छठे राउंड में वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया था। गुकेश की क्लासिकल चेस में कार्लसन के खिलाफ पहली जीत हासिल की थी। हार के बाद कार्लसन ने गुस्से में चेस बोर्ड पर मुक्का मारा, जिससे मोहरे बिखर गए। हालांकि बाद उन्होंने गुकेश से माफी मांगी और उनकी पीठ भी थपथपाई। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बात नहीं की और चले गए। विमेंस कैटेगरी में यूक्रेन की ग्रैंडमास्टर अन्ना मुजीचुक ने खिताब जीता। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी तीसरे और वैशाली रमेशबाबू पांचवें स्थान पर रहीं। मुजीचुक ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। इस टूर्नामेंट में जीत बहुत मायने रखती है। मुझे लगता है कि यह बड़ी सफलता है। भारत को नई पीढ़ी से कई नए और अच्छे खिलाड़ी मिल रहे हैं, लेकिन पुरानी पीढ़ी में भी कोनेरू हम्पी जैसी दिग्गज रही हैं। मैंने कोनेरू के साथ अपना पहला गेम तब खेला था जब मैं केवल सात साल की थी। उस समय वो 10 साल की थी। यह 28 साल पहले की बात है। मुजीचुक ने कहा कि भारत विमेंस और मेंस दोनों में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में कई और खिलाड़ी आएंगे, जिनके खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहेगा।

मेट्रो बाजार

अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेच सकेंगे गैर बासमती चावल

नईदिल्ली. एजेंसी

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात कर सकेंगे। इसका न्यूनतम निर्यात मूल्य 490 डॉलर प्रति टन तय किया है। परबॉइल्ड और ब्राउन चावल पर निर्यात शुल्क भी 20 से घटाकर 10 फीसदी किया है। इससे प्रदेश के चावल उद्योग को राहत मिलेगी। प्रदेश में कुछ वर्षों में 200 से अधिक चावल मिल लगे हैं। इससे चीन, यूएस, यूएई एवं यूरोप के देशों में निर्यात बढ़ा है। डीजीएफटी मप्र के संयुक्त निदेशक ने बताया, निर्यात रोक खत्म होने से मप्र के किसानों व निर्यातकों को फायदा होगा। वे न्यूनतम निर्यात मूल्य से अधिक पर बेच सकेंगे।

इधर, तुवर दाल की कीमतों में गिरावट

किराना बाजार में शकर और खोपरा गोला के भाव में तेजी दर्ज की गई। ट्रक भाड़े बढ़ने के साथ कोटा कम आने के कारण शकर की कीमतों में तेजी आई है। नारियल ऊंचे भाव पर मांग कमजोर रही। वहीं आयातित मालों में बिकवाली का दबाव बढ़ने व ग्राहकी का अभाव बना रहने से तुवर की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। तवर दाल में उठाव न के समान बना रहने से तुवर में दाल मिलर्स की लिवाली ठंडी बनी हुई है जिस कारण तुवर की कीमतों पर दबाव बना हुआ हुआ है।

बफे ने एपल में अपनी 25 % हिस्सेदारी बेची कैश स्टॉक बढ़कर 27.36 लाख करोड़ हुआ

नईदिल्ली. एजेंसी

अमेरिकी अरबपति और निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने आईफोन बनाने वाली एपल में एक बार फिर अपनी हिस्सेदारी 25 फीसदी बेच दी है। इस बिकवाली के बाद वॉरेन बफे का कैश स्टॉक थर्ड क्वार्टर में बढ़कर रिकॉर्ड 325.2 बिलियन डॉलर (करीब 27.36 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। बर्कशायर हैथवे ने स्टेटमेंट में इस बात की जानकारी दी है। तीसरे क्वार्टर में कंपनी की एपल में हिस्सेदारी अब 69.9 बिलियन डॉलर रह गई है। दूसरे क्वार्टर में यह 84.2 बिलियन डॉलर थी। बर्कशायर ने पहली बार 2016 में एपल में अपनी हिस्सेदारी का खुलासा किया था। 2021 के आखिरी तक बर्कशायर के पास 31.1 बिलियन डॉलर की वैल्यू के 908 मिलियन एपल शेयर्स थे। तीसरे क्वार्टर में बर्कशायर शेयरों की नेट सेलर रही है। कंपनी ने सितंबर तक तीन महीनों में 34.6 बिलियन डॉलर की नेट सेलिंग की है। बफे ने तीन महीने पहले भी एपल में अपनी करीब 50 फीसदी हिस्सेदारी बेच दी थी। इस बिकवाली के बाद तब बफे का कैश स्टॉक बढ़कर 276.9 बिलियन डॉलर हो गया था। वहीं दूसरी तिमाही में एपल में ओमाहा नेब्रास्का बेस्ड ग्रुप बर्कशायर का निवेश 84.2 बिलियन डॉलर बचा था। पहली तिमाही के अंत में बफे के पास एपल के 135.4 बिलियन डॉलर के शेयर्स थे।

एस्पान्योल के खिलाफ 27 मैचों से अजेय

बार्सिलोना का दबदबा... एस्पान्योल को हराया

बार्सिलोना. एजेंसी

बार्सिलोना ने अपना दबदबा कायम रखते हुए इस सीजन में जीत दर्ज करते हुए शीर्ष पर अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली। बार्सिलोना की टीम ने अंकतालिका में रियाल मैड्रिड पर नौ अंकों की बढ़त बना ली है। दानी ओल्मो के दो गोल से बार्सिलोना ने मुकाबले में एस्पान्योल पर 3-1 से जीत हासिल कर ली। शीर्ष पर स्थिति बार्सिलोना के जीत से 33 अंक हैं। रियाल मैड्रिड दूसरे नंबर पर है। बार्सिलोना की टीम एस्पान्योल के खिलाफ 27 मैचों से अजेय है। वहीं इस सीजन एस्पान्योल की टीम पिछले सात लीग मैचों में छह मुकाबले हार चुकी है। वह तालिका में 17वें स्थान पर है। इस मैच में बार्सिलोना के लिए दानी ओल्मो ने 12वें व 31वें मिनट में गोल दागे, वहीं एक गोल राफिन्हा ने 23वें मिनट में किया। एस्पान्योल के जावी पोआडो ने 63वें मिनट में गोल किया।

महिला शतरंजः दिव्या ने दर्ज की पहली जीत

श्यामकेंट (उज्बेकिस्तान). एजेंसी

भारत की दिव्या देशमुख ने यहां खेले जा रही महिला ग्रां प्री चेस चैंपियनशिप में अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने पांचवें दौर में मंगोलिया की खिलाड़ी मुंगुंतुल बटखुयाग को मात दी। हालांकि अनुभवी भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पांचवें दौर की बाजी में कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा ने शिकस्त दी। हम्पी तालिका में तीसरे व दिव्या पाचवें स्थान पर हैं।

जोकोविच ने कहा- शायद यह मेरा आखिरी मैच था

विमेंस सिंगल्स : कोको गॉफ ने जीता फ्रेंच ओपन, सबालेंका को हराया

पेरिस. एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-2 कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन जीत लिया है। 21 साल की अमेरिकन स्टार ने शनिवार को विमेंस सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में दुनिया की नंबर-1 टेनिस स्टार आर्यना सबालेंका को 6-7, 6-2, 6-4 से हराया। दो घंटा 38 मिनट चले मुकाबले में सबालेंका ने पहला सेट 7-6 से जीत लिया था। गॉफ ने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता है। वे 2023 में यूएस ओपन चैंपियन बनी थी। इस टूर्नामेंट में 10 साल बाद अमेरिका की खिलाड़ी चैंपियन बनी हैं। गॉफ से पहले यहां सेरेना विलियम्स 2015 में चैंपियन बनी थी। पेरिस के फिलिप-चेट्रीर कोर्ट में गॉफ ने पहला सेट 7-6 से गंवाया। फिर अगले दो सेट 6-2, 6-4 से जीतते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं पुरुष वर्ग में सर्बिया के नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल मैच हार गए। हार के बाद जोकोविच ने कहा- शायद यह मेरा आखिरी मैच था। मुझे नहीं पता, इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक हूं। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था। जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

तब्बू ने कहा था अजय की वजह से सिंगल हूं...

'मैं और अजय 25 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। वे मेरे कजन समीर आर्य के पड़ोसी और क्लोज फ्रेंड हुआ करते थे। जब मैं छोटी थी तो समीर और अजय मुझ पर कड़ी नजर रखते थे। जिस भी लड़के को मुझसे बात करते देखते, उसे पीट दिया करते थे। दोनों बहुत बड़े गुंडे थे। अगर आज मैं सिंगल हूं तो वो सिर्फ अजय देवगन की वजह से ही हूं।'

तब्बू ने एक इंटरव्यू में मजाक में कही थी। तब्बू का अफेयर फिल्मी जगत के 3 लोगों से रहा है। सबसे पहले उनका नाम संजय कपूर से जुड़ा। फिर वे डायरेक्टर-प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ रिश्ते में रहीं। दोनों ने सगाई भी कर ली। हालांकि, दोनों का रिश्ता टूट गया। फिर उन्होंने शादीशुदा नागार्जुन को डेट किया, लेकिन उनके साथ भी तब्बू का रिश्ता मुकम्मल नहीं हो पाया। एक्ट्रेस न बनने की इच्छा रखने वाली तब्बू 39 साल से फिल्मी दुनिया में टॉप पर हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में उतनी ही अकेली भी। बचपन से ही वह सिर्फ मां और बहन के क्लोज रहीं। पिता का आज तक चेहरा नहीं देखा। यहां तक कि उन्हें पिता का सरनेम लगाना भी नागवार है।

सुनाई दास्तांः जब मनीषा कोइराला को लगा कि वह मरने वाली हैं...

मनीषा कोइराला ने एक बातचीत में बताया कि उन्होंने कैंसर से कैसे जंग जीती। अभिनेत्री ने इलाज के दौरान के अनुभवों को भी साझा किया, जो दिल को झकझोर देने वाले हैं। मनीषा कोइराला ने बॉलीवुड में तीन दशकों से ज्यादा काम किया है। वह सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री के लाखों करोड़ों प्रशंसक हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट और सुपरहिट फिल्में दीं। अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी में कई मुश्किल लड़ाइयां लड़ी हैं। उनमें से एक है उनका कैंसर से लड़ना। अभिनेत्री को वर्ष 2012 में 'ओवेरियन कैंसर' का पता चला। अभिनेत्री ने कहा, वर्ष 2012 में मुझे पता चला और मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह 'ओवेरियन कैंसर' का अंतिम चरण है। जब नेपाल में मुझे पता चला, तो मैं बहुत डरी हुई थी, जाहिर है, हर किसी की तरह, बहुत ज्यादा। हम जसलोक अस्पताल में थे। वहां भी जब डॉक्टर आए, दो, तीन डॉक्टर, बड़े डॉक्टर और मैंने उनसे बात की, तो मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं। मुझे लगा कि यह मेरा अंत है। हम न्यूयॉर्क गए थे और इलाज करवाया था।

कैंसर का पता चलने पर सदमा

हाल ही में अभिनेत्री ने कैंसर के साथ जूझने के अनुभवों को साझा किया। इस बारे में उन्होंने खुलकर बात की। एएनआई से बातचीत में मनीषा ने कहा कि जब उन्हें इसका पता चला तो उन्हें एक सदमा लगा। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें लगा कि वह मरने वाली हैं और यह उनके जीवन का अंत था। अंत में उनके परिवार ने न्यूयॉर्क में उनका इलाज करवाने का फैसला किया।

शाहरुख खान बोले- मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता

हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। अब हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में फिल्म निर्माता करण जौहर ने अभिनेता से पूछा कि क्या वह कभी अपार्टमेंट में जाने के बारे में क्यों नहीं सोचते। इस सवाल के जवाब में अभिनेता ने जो जवाब दिया, वह लोगों का दिल जीत रहा है। हाल ही में, एक पुरस्कार समारोह में शाहरुख से पूछा गया कि रिटायर होने के बाद रोमांस का क्या होगा? फिल्म निर्माता ने पूछा, आप मन्नत नामक बंगले में रहते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपार्टमेंट में रहने के बारे में सोचा है? इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, हो ही नहीं सकता ना, क्योंकि मेरे ऊपर कोई हो ही नहीं सकता। मैं एक्टर्स की सीलिंग हूं, दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाई। करण जौहर ने शाहरुख से पूछा कि उनके जाने के बाद रोमांस का क्या होगा। अभिनेता ने चुटकी लेते हुए कहा, रोमांस मेरे साथ ही खत्म हो जाएगा। इसके बाद कैमरा अभिनेत्री रानी मुखर्जी पर जाता है, जो लंबे समय से उनकी सहयोगी और करीबी दोस्त हैं, जो उनके बयान पर खुशी जताती नजर आती हैं। इसके बाद फिल्म निर्माता शाहरुख खान से पूछते हैं कि क्या

कार चालक व उसके लडके के खिलाफ प्रकरण दर्ज

कार से ऑटो को मारी टक्कर, पलटते-पलटते बचा, सवारियों को पीटा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित बांसखेड़ी इलाके में कार चालक ने अपने लडके के साथ मिलकर सीएनजी ऑटो में सवार एक ही परिवार के लोगों के साथ जमकर मारपीट की। आरोपियों ने डंडों से महिलाओं को भी पीटा। दरअसल कोलार तिराहे के पास कार चालक ने ऑटो को कट मारा था। ऑटो पलटते-पलटते बचा था। आगे जाने पर जब ऑटो में सवार लोगों ने कार चालक से शिकायत की तो उसने अपने लडके के साथ मिलकर मारपीट कर दी और फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक मीरा बाई मंदिर के पास हबीबगंज निवासी अयान खान पुत्र चंदू खान (17) पुताई का काम करता है। विगत छह जून की रात अयान अपनी मां, बहन, भाभी व दोस्त के साथ बुधवारा से सामान लेकर मोहसिन के ऑटो से लौट रहे थे। सीएनजी टेंक राहुल नगर से ऑटो में गैस डलवाकर जैसे ही कोलार तिराहे के आगे आए, तभी कार क्रमांक एमपी 04 सीई 7289 के चालक ने तेजी व लापरवाही से

गाड़ी चलाते हुए ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। कार चालक ने ऑटो में सवार लोगों से कहा कि क्यों मरने के लिए रोड पर निकलते हो। इतना कहकर वह कार लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने बताया कि बांसखेड़ी चौराहे के पास ग्लोबल अस्पताल के आगे कार चालक मिला तो अयान ने उनसे कहा, अंकल आपने ऑटो को कट मारा था। हम लोग बाल-बाल बच गए। ऑटो पलट जाता। ऐसे गाड़ी क्यों चलाते हो। इस पर कार चालक गाली-गलौज करने लगा। उसने कार में बैठे अपने लडके को भी बुला लिया और दोनों लात-मुक्कों व डंडों से मारपीट करने लगे। आरोपियों ने ऑटो में सवार महिलाओं के साथ भी मारपीट की और उसके बाद कार में सवार होकर भाग निकले। घटना के बाद अयान अपने परिजनों के साथ हबीबगंज थाने पहुंचा और कार चालक व उसके लडके के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया। कार के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

डीपी के खुले ढक्कन के चलते बालक की करंट से मौत, 4 लाख मुआवजे की सिफारिश

दोहपर मेट्रो, भोपाल। शाहपुरा में ई 7 अरेरा कॉलोनी स्थित एक ट्रांसफार्मर की डीपी के खुले ढक्कन के कारण करंट लगने से 11 वर्षीय बालक वंश की मौत के मामले में चार लाख रूपये मुआवजा देने की सिफारिश की जा रही है। बताया जाता है कि इस मामले में बिजली कंपनी के पश्चिम संभाग के शाहपुरा जोन के मैनेजर सुबोध इंगले ने डीजीएम एल एन पाटीदार को रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से जिक्र किया गया है कि डीपी का ढक्कन किसी अज्ञात व्यक्ति ने तोड़ दिया था। बच्चा नाबालिग था। जानकारी के अभाव में मैच खेल रहे बालक ने वहां पहुंची गेंद उठाने के लिए हाथ डीपी के अंदर डाल दिया था, जिससे उसे करंट लग गया। जांच कर रही शाहपुरा जोन की टीम मृत बालक के परिजनों के बयान लेने उनके घर पहुंची थी। ऊर्जा विभाग की संबल योजना के तहत बिजली करंट के ऐसे मामलों में मृतक के परिजनों को ?4 लाख तक मुआवजा देने का प्रावधान है। जोन की रिपोर्ट में इस बारे में सिफारिश भी की गई। उल्लेखनीय है कि मामला दस दिन पहले का है। जब पहले ई 7 अरेरा कॉलोनी के एक खेल मैदान के पास लगे ट्रांसफार्मर की डीपी के खुले ढक्कन की जद में आने से इंदिरा नगर के 11 वर्षीय बालक वंश जोगी की 440 वोल्ट के करंट ने मौत हो गई थी। नियमों के मुताबिक मेन डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स के आसपास 10 बाई 4 की फेंसिंग होनी चाहिए। ट्रांसफार्मर के पास गिट्टी डाली होनी चाहिए। डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स खुला नहीं होना चाहिय और यदि वह खुला भी हो तो फेंसिंग लॉक होनी चाहिए।

टायलेट क्लीनर पीने से बीमार युवती की मौत

परिजन ने किया दफन, कब्र से निकाली जाएगी लाश

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

ऐशबाग थाना क्षेत्र में रहने वाली 18 साल की युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दरअसल, वह दुष्कर्म पीड़िता थी। गत 2 मार्च को उसने टायलेट क्लीनर पी लिया था। टायलेट क्लीनर पीने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से उसकी छुट्टी हो गई?थी, लेकिन टायलेट क्लनर पीने के कारण वह बीमार रहने लगी थी। गत 6 मई को उसकी तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। परिजन ने पुलिस को सूचना देने की बजाय उसे सुपर्द ए खाक (दफन) कर दिया। पुलिस को घटना की जानकारी मिली तो पुलिस ने शव कब्र से निकालकर पीएम कराने एसडीएम से परमिशन ली?थी। एसडीएम की परमिशन मिलने के बाद आज शव को बाहर निकालकर पीएम कराया जाएगा।

पुलिस के अनुसार 18 साल की युवती थाना क्षेत्र में रहती थी। गत 2 मार्च को उसने टायलेट क्लीनर पी लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवती से पूछताछ की तो पता चला कि दो साल से उसके साथ इलाके में रहने वाला एक युवक शादी का प्रलोभन दुष्कर्म कर रहा था। पुलिस ने युवती के बयान दर्ज करने के बाद आरोपी के खिलाफ बलात्कार, पाक्सो सहित दैहिक शोषण की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया और वह अभी जेल में है।

बिगड़ने लगी थी तबीयत

इधर टायलेट क्लीनर पीने के बाद युवती की जान तो बच गई?थी, लेकिन उसकी तबीयत ठीक नहीं रहती थी। उसे अक्सर पेट की समस्या होती थी। परिजन उसका इलाज करा रहे थे। गत दिनों उसकी तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। 6 मई को परिजन ने उसे सुपूर्द ए खाक कर दिया। इधर घटना की जानकारी पुलिस को लगी कि युवती की मौत हो गई है और परिजन ने उसे दफन कर दिया है तो परिजन को थाने बुलाया गया।

आज कब्र से निकाली जाएगी लाश

थाना प्रभारी विजय बहादुर सिंह ने बताया कि आज पुलिस की टीम कब्रिस्तान पहुंचेगी और लाश कब्र से निकालने के बाद उसे पीएम के लिए भेजा जाएगा। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल सकेगा कि युवती की मौत टायलेट क्लीनर पीसे से हुई?या फिर किसी अन्य कारण से। आरोपी जेल में है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

बेटे को घर से बाहर भेजकर महिला ने लगाई फांसी

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र की कोकता मल्टी में शनिवार दोपहर एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले महिला ने अपने छोटे बेटे को बड़े बेटे को बुलाने के लिए घर से बाहर भेज दिया था। फिलहाल कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक कोकता मल्टी बिलखिरिया निवासी विनीता अहिरवार (30) घरों में साफ-सफाई का काम करती थी। पति मुकेश अहिरवार हलवाई का काम करता है। उनके दो बेटे हैं। शनिवार सुबह पति-पत्नी अपने काम पर चले गए थे। दोपहर करीब ढाई बजे विनीता घर लौटी। उस समय 14 साल का बड़ा बेटा मल्टी के नीचे साइकिल चला रहा था जबकि छोटा बेटा घर में था। विनीता ने छोटे बेटे से कहा कि बड़े भाई को नीचे से बुला ला। छोटा बेटा घर से बाहर चला गया। इस बीच महिला ने घर का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया और कमरे में जाकर फांसी लगा ली। दोनों बच्चे जब घर पहुंचे और विनीता ने काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला तो वे शोर मचाने लगे। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। किसी तरह दरवाजा खोला गया तो भीतर विनीता साड़ी के फंदे पर लटकी नजर आई।

व्यापार में घाटा होने पर बेटे ने लगाई थी फांसी, दो बेटियों के साथ बैतूल से भोपाल आ गई थीं

बेटे की मौत से दुखी मां ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, हर ओर नजर आता था बेटा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

रातीबड़ की पूजा कॉलोनी में शुक्रवार रात एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से फिलहाल घटना की वजह सामने नहीं आई लेकिन शुरूआती तफ्तीश में पता चला है कि तीन माह पूर्व महिला के बेटे ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तभी से वह सदमे में थी और बैतूल छोडकर भोपाल में रहने लगी थीं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बैतूल निवासी गीता प्रजापति (48) यहां पूजा कॉलोनी में अपनी दो बेटियों के साथ किराए का मकान लेकर रह रही थीं। दोनों बेटियां प्राइवेट नौकरी करती हैं। शुक्रवार सुबह दोनों बेटियां काम पर चली गईं। रात करीब 8 बजे जब वे घर लौटीं तो मां को टीनशेड वाले घर में फांसी के फंदे पर लटका देखा। पड़ोसियों की मदद से बेटियों ने मां को फंदे से उतारा और नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंची। लेकिन पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों बेटियों ने पुलिस को बताया कि उनके इकलौते भाई ने तीन माह पूर्व बैतूल में आत्महत्या कर ली थी। उसने बैंक से कर्ज लेकर कारोबार शुरू किया था लेकिन सफलता नहीं मिली। नुकसान होने पर गीता प्रजापति के बेटे ने फांसी लगा ली थी। उनकी बहू अपनी बेटी को लेकर मायके चली गई थी जबकि गीता अपनी बेटियों के साथ भोपाल आकर रहने लगीं।

हर जगह नजर आता था बेटा

दोनों बेटियों ने पुलिस को बताया कि बेटे की मौत के बाद से मां हर पल उसकी याद में रोती रहती थीं। जगह बदलने के चक्कर में बेटियां उन्हें भोपाल ले आई थीं। लेकिन भोपाल आने के बाद भी वह बेटे की याद दिल से नहीं निकाल पा रही थीं। एसआई नंद किशोर दुबे ने बताया कि गीता प्रजापति के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी खराब थी। मां की मौत के बाद दो बेटियां ही घर में अकेली बची हैं। शनिवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ही अंतिम संस्कार के लिए महिला का शव श्मशान घाट लेकर पहुंची। पुलिस के सहयोग से महिला का अंतिम संस्कार किया गया।

पौधारोपण

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह एवं सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने रविवार को अरेरा मंडल के वार्ड 49 के बूथ क्र. 184 स्थित अशोक सोसाईटी मैदान परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सिंदूर, बैल पत्र एवं आंवले का पौधारोपण किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, आलोक संजर उपस्थित रहे।

देवास से लेकर आया था, पातरा पुलिया के पास से दबोचा

हथियार तस्कर से 12 तलवारें बरामद बेचने की फिराक में घूम रहा था

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

तलैया पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक दर्जन अवैध तलवारें बरामद की हैं। आरोपी पातरा पुलिया के पास तलवारें बेचने की फिराक में घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि पातरा नाला पानी की टंकी के पास तलैया थाना क्षेत्र में एक संदिग्ध धारदार हथियार बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदेही को हिरासत में ले लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से करीब 33 इंच लंबी 12 धारदार तलवारें बरामद हुईं। आरोपी का नाम समीर अगरिया (21) निवासी बापू नगर झुग्गी नेहरू नगर बताया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह देवास से धारदार तलवारें लगाया था और यहां बेचने की फिराक में घूम रहा था। लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी देवास में किसी व्यक्ति से तलवारें लाया था और किसे खपाने की फिराक में था। आरोपी का आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है।

अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव लाइन अटैच

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

छात्राओं के साथ रेप व लव जिहाद के बहुचर्चित मामले की जांच टीम में शामिल अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव को लाइन अटैच कर दिया गया है। डीसीपी प्रियंका शुक्ला की तरफ से 6 जून को जारी आदेश में लिखा गया कि उन्हें तत्काल प्रभाव से रक्षित केन्द्र में संबंद्ध किया जाता है। हालांकि डीसीपी ने लाइन अटैच की वजह का आदेश में जिक्र नहीं किया है। लेकिन बताया ज रहा है कि थाना प्रभारी पर घटना में शामिल कुछ संदिग्धों से पूछताछ के बाद उन्हें छोडने की जानकारी मिली थी। मामले की जांच कराई गई तो

शुरूआती आरोप सही निकले। इस पर जांच के लिए गठित एसआईटी ने थाना प्रभारी श्रीवास्तव को हटाने के लिए पुलिस कमिश्नर से संपर्क किया था। थाना प्रभारी के राजनीतिक संबंधों को देखते हुए आला अधिकारी उन्हें हटाने का फैसला लेने में टालमटोल करते रहे। बाद में डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने टीआई को तत्काल हटाने का आदेश जारी कर दिया।

मेट्रो एंकर

कई यात्रियों की जेब से पर्स और मोबाइल फोन उड़ाए

श्रीधाम एक्सप्रेस में महिला का 3.55 लाख का सामान चोरी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी के गुजरने वाली यात्री ट्रेनों सामान चोरी होने की सिलसिला जारी है। श्रीधाम एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक महिला का पर्स चोरी हो गया, जिसमें 3.55 लाख रुपए का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार सफर के दौरान कई अन्य यात्रियों के पर्स और मोबाइल फोन चोरी हो गए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार फरियादिया साक्षी वर्मा श्रीधाम एक्सप्रेस के एसी कोच में दिल्ली से जबलपुर का सफर कर रही थी। इस दौरान वह अपना लेडीज पर्स सिरहाने रखकर सो गई थी। जब उनकी नींद खुली तो पर्स गायब हो चुका था। चोरी गए पर्स में आईफोन, वीवो कंपनी का मोबाइल, ढाई तोला वजनी सोने की मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी और चांदी की अंगूठी रखी हुई थी। जीआरपी ने चोरी गए सामान की कुल कीमत 3.55 लाख रुपए बताई है। इसी प्रकार ग्वालियर निवासी नरेश परिहार जीटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में इटारसी से ग्वालियर की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उनकी पैंट की जेब में रखा पर्स चोरी हो गया। चोरी गए पर्स में 5600 रुपए, आधार कार्ड, वोटर कार्ड समेत अन्य दस्तावेज रखे हुए थे। सोते समय जेब से निकाला मोबाइल फोन नीमच निवासी लाला संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से भोपाल आए थे। उन्हें मंदसौर जाना था। ट्रेन नहीं होने के कारण वह नई बिल्डिंग स्थित मुसाफिर खाने में जाकर सो गए। जब नींद खुली तो जेब में रखा मोबाइल फोन गायब था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 19 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार रतलाम

निवासी नंदलाल बारोड (65) रतलाम जाने के लिए भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक पांच पर बैठे थे। ट्रेन आने पर वह उसमें चढने् लगे, तभी किसी ने भीड़भाड़ के दौरान शर्ट की जेब में रखा 14 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। जनरल कोच में महिला का बैग चोरी बैतूल निवासी मीना गुप्ता जयपुर भोपाल एक्सप्रेस के जनरल कोच में नागदा से भोपाल की यात्रा कर रही थी। उन्होंने अपना बैग सीट के नीचे रखा था। संत हिरदाराम नगर स्टेशन आने पर देखा तो बैग चोरी हो चुका था। बैग में इस्तेमाली कपड़ों के अलावा एक जोड़ी सोने की कान की बाली समेत करीब 15 हजार का सामान रखा था। इसी प्रकार नालंद बिहार निवासी चंदन शर्मा नई दिल्ली से भोपाल आया था। मुसाफिर खाने में मोबाइल को चार्जिंग पर लगाकर वह बाथरूम चला गया। वापस लौटा तो 14 हजार कीमत का मोबाइल गायब था। इधर सागर निवासी अनिल पटेल को भोपाल से बीकानेर जाना था। प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर बैठकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान किसी ने उसकी जेब से 16 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
कार्यकारी संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022